दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 243 | ग्वालियर बुधवार 9 सितम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस

रिया चक्रवर्ती गिरफ्तार, ड्रग्स सहित कई संगीन राज से पर्दा उठाया

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड केस की जांच कर रही एनसीबी ने मंगलवार को अभिनेत्री और सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के अनुसार र?िया के ख?िलाफ एनसीबी को कई सबूत म?िले हैं. दरअसल र?िया से लगातार तीन द?िनों से पूछताछ की जा रही थी. लेकिन लगातार पूछने के बाद भी वह कई सवालों के जवाब नहीं दे पा रही थीं. जिसके बाद एनसीबी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. एनसीबी के सूत्रों का कहना है कि रिया हार्डकोर क्रिमिनल नहीं है. उन्होंने जांच में सहयोग किया है इसलिए किसी भी तरह से उनका रिमांड नहीं मांगा जाएगा. आगे भी उन्होंने जांच में सहयोग की बात कही है. फिलहाल रिया को तीन दिन के लिए गिरफ्तार किया है. सूत्रों के मुताबिक एनसीबी रिया को एनडीपीएस की कई धाराओं में गिरफ्तार किया है. एनसीबी के सूत्रों ने जानकारी दी है कि ड्रग्स गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए उसे रिया को कस्टडी में लेकर पूछताछ करनी होगी. सूत्रों ने यह भी बताया है कि ऐसा संभव है कि रिया का अन्य लोगों से आमना-सामना कराए जाने पर वह और सच बताएं और हो सकता है उन्हें कई जगहों पर ले जाने की भी जरूरत पड़े. मालूम हो कि अभिनेत्री

रिया चक्रवर्ती लगातार तीसरे दिन मंगलवार को अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड केस से जुड़े मादक पदार्थ के मामले में पूछताछ के लिए स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के समक्ष पेश हुईं थीं. रिया को अधिक पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया गया है. रिया मंगलवार करीब साढ़े 10 बजे कार से दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट स्थित एनसीबी के कार्यालय पहुंची. इस दौरान मुंबई पुलिस का वाहन उनकी सुरक्षा के लिए कार के साथ-साथ चल रहा था. सुशांत केस में ड्रग्स कनेक्शन को लेकर रिया चक्रवर्ती शुरू से ही इसमें अपने कनेक्शन पर इनकार करती आई हैं. लेक?िन हाल के दिनों में नाकोर्ट?िक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा उनके भाई शोव?िक चक्रवर्ती के साथ पाए गए व्हाट्सएप चैट में रिया के सच का भंडाफोड़ हो गया था. इन चैट्स के जर?िए एनसीबी ने ड्रग मामले में शोव?िक के अलावा सुशांत के हाउस स्टाफ सैमुअल मिरांडा, दीपेश सावंत समेत अन्य ड्रग पेडलर्स के नाम सामने रखे. इन्हीं में रिया का नाम भी शामिल था. एनसीबी के अनुसार, इसके बाद जाकर रिया ने माना कि कुछ मौकों पर उसने भी ड्रग्स लिया किसी ड्रग पैडलर के सीधे टच में होने की बात से इनकार किया. लॉकडाउन के बाद जब ड्रग्स मिलना बंद हो गया था तब रिया ने शोविक से कहकर ड्रग्स मंगवाया था. सूत्रों के अनुसार पहले दिन जब रिया और उसके भाई शोविक को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई तो रिया रोने लगी थी. एनसीबी के अनुसार, रिया के घर से जो इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स मिले उनसे भी ड्रग्स से जुड़े कुछ सबूत मिले हैं. बता दें कि एनसीबी ने रिया से रविवार को छह घंटे और सोमवार को आठ घंटे तक पूछताछ की थी. 14 जून को सुशांत सिंह राजपूत द्वारा की गई कथित सुसाइड के बाद से ही रिया चक्रवर्ती शक के घेरे में थीं. सुशांत की मौत के एक महीने बाद भी जब मुंबई पुलिस सुसाइड की वजह ढूंढने में नाकाम रही तो सुशांत के पिता केके सिंह ने पटना में रिया के ख?िलाफ कई आरोप लगाए और केस दर्ज किया. रिया के ख?िलाफ केस की जांच पड़ताल में ही ड्रग्स को लेकर बात सामने आई और एनसीबी ने इसकी पूरी छानबीन की. अब पूरे 86 दिन के बाद 87वें दिन यानि मंगलवार को रिया ने ड्रग्स पर कई राज खोले है. मंगलवार को जब फिर एक बार रिया से एनसीबी ने पूछताछ की तब इस पूछताछ में रिया ने कई संगीन राज से पर्दा उठाया. रिया से जो सवाल पूछे गए, उनमें कुछ महत्वपूर्ण सवाल के जवाब वे नहीं दे पाई थीं. जैसे रिया से पूछा गया कि आपके घर ड्रग्स आते थे. %आप अपने बीमार दोस्त को दवा देंगे या ड्रग्स ?% सुशांत रिया के घर यूरोप टूर से लौटने के बाद रुके थे, वहां भी ड्रग्स की खेप आई थी. सुशांत मुंबई के जिस होटल में रुकते थे, वहां भी ड्रग्स सप्लाई होती थी. ड्रग्स खरीदने के लिए सुशांत के पैसे का इस्तेमाल होता था, ऐसे ही कई सवालों का जवाब देने में रिया सकपका गई और चुप्पी साधी रखी. दरअसल रिया चक्रबर्ती ने एनसीबी अधिकारियों को जांच के दौरान बताया था कि सुशांत के कहने पर ही उसने सुशांत को ड्रग दिया, सुशांत ने दबाव डाला, इसीलिए दिया गया. गौरतलब है कि सुशांत का शव बीते 14 जून को मुंबई के बांद्रा इलाके स्थित उनके फ्लैट में मिला था. पिछले महीने पिता केके सिंह ने पटना में रिया चक्रवर्ती के खिलाफ केस दर्ज करवाया था. उन्होंने रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार पर राजपूत को आत्महत्या के लिए उकसाने और उनके पैसे का गबन करने का आरोप लगाया था. हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राजपूत के पिता द्वारा पटना में रिया एवं अन्य के खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी को सीबीआई को ट्रांसफर किए जाने के फैसले को बरकरार रखा था.

अर्नब गोस्वामी- कंगना को विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव स्वीकार

मुंबई। मुंबई की तुलना पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) से करने पर अभिनेत्री कंगना रनौत की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं ।साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना सुप्रीमो

उद्धव ठाकरे को इंटरव्यू के लिए चुनौती देने वाले टीवी पत्रकार अर्नब गोस्वामी खिलाफ भी महाराष्ट्र विधान परिषद के अध्यक्ष रामराजे नाइक ने विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। अर्नब गोस्वामी पर उद्धव ठाकरे के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का आरोप लगाकर शिवसेना की मनीषा कायंदे ने विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया। तरफ कंगना के खिलाफ कांग्रेस विधायक अशोक (भाई) जगताप ने मुंबई को लेकर अपमानजनक टिप्पणी का आरोप लगाकर विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया, जिसे रामराजे नाइक ने स्वीकार किया। उन्होंने कहा, %मैंने विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव को स्वीकार किया है। इसके लिए समिति न होने की वजह से मैं ही आज इस प्रस्ताव पर फैसला करने जा रहा हूं।%

बिजनसमैन दीपक कोचर को 19 सितंबर तक ईडी की कस्टडी में भेज गया

मुंबई। स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने मंगलवार को बिजनसमैन दीपक कोचर को 19 सितंबर तक ईडी की कस्टडी में भेज दिया है। कोचर और उनकी पत्नी तथा आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व

सीईओ चंदा कोचर तथा वीडियोकॉन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत मनी लॉड्रिंग मामले में मुख्य आरोपी हैं। ईडी ने करीब डेढ़ साल पहले यह केस रजिस्टर्ड किया था। ईडी के वकील एडिशनल सॉलीसीटर जनरल अनिल सिंह ने कोचर की कस्टडी की मांग की। उनका कहना था कि कोचर जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं ' सुनवाई के दौरान कोचर के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि उनके मुवक्किल को हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर कोर्ट में पेश नहीं किया गया।उन्होंने कहा कि कोचर सोमवार को सुबह साढ़े दस बजे ईडी के मुंबई ऑफिस में जांच में शामिल हुए थे और उन्हें मंगलवार को दोपहर बाद साढ़े 12 बजे स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। इस पर ईडी के वकील ने दलील दी कि कोचर को सोमवार की देर शाम 8 बजकर 6 मिनट पर गिरफ्तार किया गया था और उन्हें तय समय के भीतर कोर्ट में पेश किया गया। यह मामला वीडियोकॉन ग्रुप को बैंक लोन देने में कथित अनियमितताओं और मनी लांड्रिंग की जांच से जुड़ा है। इस साल जनवरी में ईडी ने चंदा कोचर, दीपक और उनकी कंपनियों की 78.15 करोड़ रुपये की चल-अचल परिसंपत्तियों को भी जब्त कर लिया था। दीपक की यह गिरफ्तारी ईडी ने वीडियोकॉन ग्रुप के प्रमुख वेणुगोपाल धूत को आईसीआईसीआई बैंक की ओर से 3250 करोड़ रुपये का लोन दिए जाने के मामले में की है।

मामले में यह पहली बड़ी गिरफ्तारी है। ईडी आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन समूह को दिए गए ऋण मामले में अनियमितता और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चंदा कोचर, उनके पति दीपक कोचर और कई अन्य के खिलाफ जांच कर रही थी। कुछ दिन पहले ही दूत समेत चंदा कोचर और उनके पति के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में चंदा कोचर के देवर से भी पूछताछ हुई थी।

पीएम मोदी ने जयपुर में 'पत्रिका गेट' का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की उपस्थिति मजबूत हुई है , ऐसे में भारतीय मीडिया को भी 'ग्लोबल' होने की जरूरत है। जयपुर में जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर समाचारपत्र समूह 'पत्रिका' की ओर से निर्मित 'पत्रिका गेट' का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि मीडिया द्वारा सरकार की आलोचना स्वाभाविक है और इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है। मोदी ने कोरोना वायरस महामारी को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए मीडिया की सराहना करते हुए इसे लोगों की 'अभूतपूर्व ' सेवा बताया। प्रधानमंत्री ने कहा भारत के स्थानीय उत्पाद आज ग्लोबल हो रहे हैं। भारत की आवाज भी और ज्यादा ग्लोबल हो रही है। दुनिया भारत को और ज्यादा गौर से सुनती है।

मुख्यमंत्री चौहान ने सीहोर जिले के बाढ़ प्रभावित ग्रामों का दौरा किया

बाढ़ से हुए नुकसान की होगी पूरी भरपाई

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बाढ़ प्रभावितों को सरकार की ओर से बाढ़ से हुए नुकसान की पूरी भरपाई की जाएगी। नष्ट हुई फसलों की बीमा राशि एवं मुआवजा मिलेगा। टूटे हुए मकानों को दोबारा बनवाया जाएगा तथा अनाज, घरेलू सामान आदि के नुकसान की भी आर.बी.सी 6/4 के प्रावधानों अनुसार भरपाई की जाएगी। किसी भी बात की चिंता न करें, सरकार पूरी तरह आपके साथ है। शिवराज %मामा% किसी की आँख में आंसू नहीं आने देगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज सीहोर जिले के बाढ़ग्रस्त ग्रामों निनौर, जहाजपुरा, भड़कुल, आंवलीघाट, जाजना, नहलाई, चकल्दी एवं सलकनपुर आदि का दौरा कर रहे थे। इस अवसर पर सांसद श्री रमाकांत भार्गव, संभागायुक्त श्री कवीन्द्र कियावत आई.जी., कलेक्टर आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्राम जहाजपुर में 50 तथा आंवलीघाट, बारना, नेहलाई, मट्ठागांव में 90 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन्हें दोबारा बनाने के लिए प्रति घर लगभग 1.5 लाख से 02 लाख रूपए की सहायता राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक बाढ़ प्रभावित को 50-50 किलो निःशुल्क गेहूँ उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा 5-5 किलो खाद्यान्न नवम्बर माह तक निःशुल्क मिलेगा। खाद्यान्न सुरक्षा योजना का 01 रूपये किलो की दर पर 5-5 किलो प्रति व्यक्ति उचित मूल्य राशन भी हर गरीब को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कलेक्टर को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करें कि हर गरीब की पात्रता पर्ची बन जाए तथा उसे राशन मिल जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सर्वे का कार्य शीघ्र पूरा कर, प्रभावितों को मुआवजा दिलाया जाए। जिन किसानों के खेतों को नुकसान हुआ है तथा गोशाला शेड टूट गए हैं उनके खेतों में सुधार के लिए तथा गोशाला शेड दोबारा बनवाने के लिए मनरेगा योजना से सहायता दी जाए। खेतों में सुधार कार्यों के लिए तथा गोशाला शेड के पुनर्निमाण के लिए (70 हजार से 01 लाख रूपये तक) सहायता दिए जाने का प्रावधान है।

सरकार सर्व शिक्षा अभियान के लिए अथक परिश्रम कर रही: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बच्चों को सशक्त बनाने और %सबको शिक्षा के अपने मिशन की दिशा में निरंतर काम कर रही है। शाह ने ट्वीट कर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार बच्चों को सशक्त बनाने के साथ ही %सबको शिक्षा के अपने मिशन को नई शिक्षा नीति, %बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और समग्र शिक्षा अभियान जैसे सुधारों व योजनाओ के माध्यम से पूरा करने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2020 का फोकस कोरोना काल में और इसके बाद साक्षारता अध्यापन और सीखने पर केंद्रित रहा। खासकर शिक्षाविदों की भूमिका और बदलता परिदृश्य। साक्षारता की थीम इस साल युवओं और नौजवानों मुख्य रूप से केंद्रित रही। लोगों को पढ़ाई के प्रति जागरूक करने के लिए यूनेस्को ने आज ही के दिन 1966 में साक्षरता दिवस मनाने की शुरुआत की। इस साल अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय साक्षरता कोविड-19 संकट और उससे आगे शिक्षा और अध्ययन रखा गया है। यह विषय जीवन पर्यन्त साक्षरता दृष्टिकोण से शिक्षा के महत्व को रेखांकित करता है।

भाजपा को बड़ा झटका

भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश सिकरवार ने कांग्रेस का दामन थामा

भोपाल। भोपाल में पीसीसी दफ्तर में ग्वालियर के वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश सिकरवार दो पार्षद और 150 समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्हें कमलनाथ ने कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। ग्वालियर से भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश सिकरवार ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। भोपाल में मंगलवार को पीसीसी दफ्तर में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। सतीश सिकरवार के साथ ग्वालियर के दो पार्षद और 150 से ज्यादा कार्यकर्ता भी भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। उपचुनाव से पहले इसे ग्वालियर में भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। सतीश सिकरवार ने 2018 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मुन्नालाल गोयल के खिलाफ भाजपा से चुनाव लड़ा था। वह चुनाव हार गए थे। अब उनके कांग्रेस में शामिल होने के बाद उनका कांग्रेस से टिकट पक्का माना जा रहा है। सिंधिया गुट के विधायक मुन्नालाल गोयल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। कांग्रेस में आने पर सतीश सिकरवार ने कहा कि वह भाजपा में रहकर सामंतवादी ताकतों के खिलाफ लड़ते रहे थे। अब ये

सिकरवार ने सच्चाई को पहचाना : कमलनाथ

लड़ाई कांग्रेस के साथ जारी रहेगी। ये लड़ाई सिंधिया के खिलाफ है और हम लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ग्वालियर में कांग्रेस का दबदबा बढ़ रहा है और इस बार पिछले चुनाव से ज्यादा सीटें जीतकर आएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रजातंत्र को खरीदा गया है। भाजपा ने सत्ता के सौदागरों के साथ बोली लगाकर इसे खरीदा है। उन्होंने सिकरवार से कहा कि आपने सच्चाई को पहचाना है और सच का साथ देने का निर्णय लिया है। यह प्रदेश और लोकतंत्र के हित में बड़ा निर्णय है। कमलनाथ ने कहा कि अब कांग्रेस में महलों का दखल खत्म हो गया है। अब कांग्रेस में कोई महल नहीं है। आप सभी लोग आज कमलनाथ के घर में आए हैं। आज आप कांग्रेस पार्टी के परिवार से जुड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश देवी-देवताओं, विभिन्न संस्कृतियों का देश है। यहां जोडने़ की बात होती है, तोडने़ की नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में रोज शामिल हो रहे हैं। आज जनता तो छोड़िए भाजपा के कार्यकर्ता ही उनसे दुखी हैं। हमारी सर्वे रिपोर्ट बहुत अच्छी है, हमें कोई चिंता नहीं है, सभी सभी सीटें जीतेंगे। कमलनाथ ने आगे कहा कि विश्वास है कि प्रदेश की जनता भले कमलनाथ का साथ न दे, कांग्रेस का साथ न दे, लेकिन सच्चाई का साथ जरूर देगी। उधर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ बुधवार की शाम दिल्ली पहुंच गए। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कमलनाथ तीन दिन दिल्ली में रहेंगे। इस दौरान 27 सीटों पर होने वाले उपचुनाव की रणनीति के साथ ही प्रत्याशियों के नाम पर केंद्रीय नेताओं से चर्चा करेंगे।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

सेल्समैन ने किसान के साथ की 42000 रुपये की धोखाधड़ी

सेल्समैन ने किसान के साथ की धोखाधड़ी

दबोह(अर्पित गुप्ता)

वृहत्ताकार सेवा सहकारी संस्थाओं पर इन दिनों भोले भाले किसानों के साथ हो रही ठगी चरम पर है जिससे भोली भाली जनता को सोसयाटी के सेल्समैनो द्वारा भारी चपत लगाई जा रही है।और तो और शिकायत के बाद सेल्समैन पर कोई कार्यवाही भी नही किया जाना यह दर्शाता है कि ऊपर से लेकर नीचे तक सभी किसानों के साथ धोखाधड़ी करने में शामिल है।क्यों कि किसान द्वारा थाना प्रभारी से लेकर जिला अधिकारी तक शिकायत करने पर अब तक कोई कार्यवाही नही हुई।

यह है पूरा मामला

दरअसल पूरा मामला लहार अनुभाग के अंतर्गत दबोह क्षेत्र की वृहत्ताकार सेवा सहकारी संस्था अमाहा का है जहां पर ग्राम पंचायत विजपुर के भोले भाले किसान महेश दीक्षित के साथ सेल्समैन शैलेश उपाध्याय व अलख सिंह ने धोखाधड़ी कर 42000 रुपये डकार लिए। किसान महेश दीक्षित ने अपनी शिकायत में बताया कि मैने सेवा सहकारी संस्था अमाहा से कृषि हेतु ऋण के रूप में 40000 रुपये की सोसायटी ऋण 30 जून 2015 में नगद प्राप्त किये थे।जिसे मैंने दिनांक 06 मई 2016 को सेवा सहकारी संस्था में समिति सचिव का प्रभारी सेल्समैन शैलेश उपाध्याय को मय ब्याज के 42000 रुपये जमा करने के लिये दिए थे।उक्त राशि को शैलेश उपाधयाय द्वारा धोखाधड़ी कर डकार ली गई और राशि बैंक रिकार्ड में जमा नही की गई।फरियादी किसान द्वारा बताया गया कि उक्त राशि मैंने सेल्समैन शैलेश उपाध्यय को मै सूद दी थी जिसकी जमा पावती अलख सिंह सेल्समैन द्वारा मेरी किताब में दर्ज की गई थी। किसान द्वारा बताया गया कि मुझ पर सेल्समैन द्वारा शिकायत बापस लेने के लिए लगातार दवाव बनाया जा रहा है साथ ही मुझे जान से मारने की धमकी दी जा रही है।जिसको लेकर किसान महेश दीक्षित द्वारा सैल्समैन के द्वारा की गई धोखाधड़ी की शिकायत पूर्व में थाना दबोह,डी.आर जिला सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक,महाप्रबंधक महोदय जिला सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक व भिंड जिलाधीश महोदय से भी की जा चुकी है परन्तु अब तक सेल्समैन पर कोई कार्यवाही न होना सन्देह के घेरे में है।

आज की भाग दौड़ में आनंद की कमी न आये-लक्ष्मी कौरव

लहार(अर्पित गुप्ता)। राज्य आनंद संस्थान भोपाल की तरफ से जिला भिंड में तीन दिवसीय ऑनलाइन आनंदक परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया।इस आयोजन के प्रथम दिवस पर डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट पर्सन लक्ष्मी कौरव भिण्ड ने कहा कि आज की भाग दौड़ की जिंदगी के काम काज व्यस्त रहते हुए भी आनंद की कमी ना आने पाये यही राज्य आनंदम संस्थान का उद्देश्य है। परिचय देते हुए प्रतिभागियों के परिचय से सत्र का प्रारंभ किया।विजय उपमन्यु जी ने प्रार्थना के साथ स्तर को आगे बढ़ाया।तीन दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से भागदौड़ भरे जीवन का बैलेंस खराब होने लगता है और हमारे मधुर सम्बन्ध बिगड़ने लगते हैं इन रिश्तों को सुधारने और जीवन को बैलेंस में रखने के लिए ट्रेनर राजा खान,ट्रेनर दीप्ति जी ने बेकेन्स सहित और फ्रीडम ग्लास का प्रयोग करते हुए समझाया।लक्ष्मी जी ने बताया कि कामकाज में व्यस्त रहते हुए भी आनंद की कमी ना आने पाए यही राज्य आनंदम का मुख्य उद्देश्य है इस आनंद की प्राप्ति के लिए हमें स्वयं को स्वयं से जोड़ना होगा और स्वयं से जुड़ने के लिए कुछ समय शांत समय यानी अल्पविराम में ठहरना होगा आत्म पोषण के लिए प्रत्येक दिन दो प्रश्न दिए जाते थे जिन पर सभी प्रतिभागियों ने अल्पविराम में ठहर कर विचार किया और परिवर्तन करने का संकल्प लिया अंतिम दिवस पर राज्य आनंद संस्थान सीईओ अखिलेश अर्गल जी द्वारा राज्य आनंदम के उद्देश्यों से किस प्रकार जीवन

में परिवर्तन लाया जा सकता है और आनंद की प्राप्ति के साथ-साथ दूसरों को भी आनंदित रखने के लिए अल्पविराम या शांत समय का प्रयोग जीवन में धारण करने के लिए बताया।सम्भाग समन्वयक ए के शर्मा द्वारा संस्थान के अन्य कार्यक्रमों के विषय मे बताया।कार्यक्रम के आयोजक भिंड जिले की टीम संजय जी डीएसओ भिंड,डॉ देवेश शर्मा,जितेंद्र बौहरे आनंदम सहयोगी,चंद्रकांत बोहरे पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष ममता भदौरिया,राजेश गुर्जर,खुशबू कौरव,विश्वराज कौरव,शैलेन्द्र परमार,अजमेर सिंह एडवोकेट,सुनील दुबे समाजसेवी, एवम अन्य 40 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।।

पीएमजीएसवाई विभाग के खिलाफ लोगों ने किया जमकर प्रदर्शन

सुंदरबनी। सुंदरबनी, रजौरी के उप जिला सुंदरबनी में नाला पंचायत के नहोती गांव के स्थानीय लोगों ने पीएमजीएसवाई विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। उपजिला सुंदरबनी के नाला पंचायत नहोती के खन्ना मोहल्ला भूमि विवाद को लेकर के स्थानीय लोगों द्वारा अपना जोरदार रोष प्रदर्शन व्यक्त किया गया। स्थानीय लोगों कुलदीप राज, बिट्टू राम, बाबू राम, सुनील शर्मा वा अन्य लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि 2002 में उनके मालिकाना हक की जमीन से सर्वे किया गया था। जिसके मुताबिक वहीं से ही सड़क को बनाया जाना चाहिए । जिससे उस सड़क से बड़ी आबादी को उसका लाभ मिलेगा। लेकिन विभाग उसे दूसरे जंगल के रास्ते ले जाने के लिए जोर दिया जा रहा हैं जोकि वन विभाग की भूमि हैं। नाहोती के लोगों का कहना है कि गांव से जाने वाली सड़क का बहुत से परिवारों को लाभ प्राप्त होता है लेकिन विभाग इसे गांव से लेने के बजाय वन विभाग की भूमि से ले जा रहा है जिससे स्थानीय लोगों को कोई फायदा नहीं है लोगों ने कहा किस जहां एक खन्ना मोहल्ला पड़ता है जो बिल्कुल सड़क से वंचित है इस कारण उनकी प्रशासन से मांग है कि सड़क गांव से ही जानी चाहिए । लोगों ने कहा कि हमने विभाग के उच्च अधिकारियों से बात की है लेकिन इस बारे में उन्होंने कोई आश्वासन नहीं दिया । गांव वासियों ने विभाग को चेतावनी देते हुए कहा है कि पुराने सर्वे के मुताबिक ही सड़क बनेगी नहीं तो वह विभाग के खिलाफ सड़कों पर उतर कर उग्र प्रदर्शन करेंगे । नाहोती गांव वासियों ने उपराज्यपाल से गुहार लगाते हुए कहा कि विभाग के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और सड़क गांव के बीचो-बीच जानी चाहिए ताकि स्थानीय लोगों का इसका लाभ प्राप्त हो सके।

स्योट तहसील मे स्थानीय लोगों ने कांग्रेस प्रवक्ता और पूर्व मंत्री के साथ दिया धरना

सुंदरबनी। सुंदरबनी उपजिला सुंदरबनी के अंतर्गत आने वाली तहसील सीहोट के स्थानीय लोगों द्वारा कांग्रेस पार्टी के बैनर तले शांतिपूर्ण सोशल डिस्टेंसिंग के साथ तहसील मुख्यालय स्योट में धरना दिया । जिसमें प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रविंद्र शर्मा और पूर्व मंत्री शब्बीर खान ने स्योट में पहुंचकर कांग्रेस नेताओं के साथ शांतिपूर्ण धरना दिया जिसमें लोगों की मांग थी कि जिन लोगों की भूमि फोरलेन के लिए आई है उन्हें मुआवजा नहीं दिया जा रहा और जब टूलेन जहां पर बनाई गई थी तब से भी कई लोगों का मुआवजा अभी

तक नहीं मिला । लोगों का यह भी कहना था कि गरीबों का प्रशासन द्वारा लोगों को उचित समय ना दिए जाने से उनके मकानों ओर दुकानों को भी तोड़ दिया गया । अब लोग खुले आसमान तले जीने को मजबूर हो रहे हैं और ऊपर से उन्हें मुआवजे देने के लिए विलंब किया जा रहा हैं। अब किसान जाएं तो जाएं कहां । इस पर कांग्रेस प्रवक्ता रविंद्र शर्मा ने पीड़ित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी इस मांग को लेकर के कांग्रेस पार्टी कमर कस चुकी है और मैदान में उतर चुकी हैं। और किसानों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा । शर्मा ने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि वह आने वाले कल डिबकम से लेकर उपराज्यपाल तक किसानों की इस मांग को लेकर के मिलेंगे और पुणः उचित मुआवजा और जल्द दिए जाने की बात रखेंगे । उन्होंने बीजेपी पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा किसानों के साथ खिलवाड़ कर रही है पहले उनके मकान तोड़ कर के फिर उसके बाद मुआवजे को ना दिए जाना और फिर वह भी उचित मुआवजा ना दिया जाना किसानों के साथ बहुत बड़ी नाइंसाफी है इसलिए कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खड़ी होकर के मैदान में उतरी हैं और उन्हें उनका हक दिलाकर ही रहेगी । वहीं पूर्व मंत्री शब्बीर खान ने भी किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से किसानों के हित के लिए कार्य करती आई है और जो भी किसानों की फोरलेन का मुआवजा है उसे दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी एक लड़ाई लड़ेगी ताकि किसानों को उचित दाम और जल्द से जल्द गरीब किसानों को मुआवजा मिल सके।

कांग्रेस के खिलाफ ज्ञापन सौंपा

प्रेस -नारायणलाल सैणचा

प्रदेश भर में भाजपा द्वारा राजस्थान सरकार के खिलाफ सहल्ला बोल कार्यक्रम के तहत राज्य में बढ़ते अपराध, टिड्डी दलो का हमला, बिजली बिलों में बढ़ोतरी, किसानों को ऋण नहीं मिलना, राशन वितरण में अनियमितता, बेरोजगारी भत्ता, गौशालाओं के अनुदान, कोरोना के कुप्रबंध, सहित सभी क्षेत्रों में सरकार की विफलता को लेकर *सोजत विधानसभा* के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा । इस दौरान कार्यकर्ताओ ने नारे बाजी कर विरोध प्रदर्शन किया । जिला महामंत्री मोहन जाट, उपाध्यक्ष पंकज त्रिवेदी, उपाध्यक्ष कृति तवर, मण्डल अध्यक्ष भूपेंद्र पाल सिंह, नरपत सोलंकी, मण्डल महामंत्री हरीश कुमार सीरवी, कालु राम श्याम गहलोत, भवर सेनी, अनिल शर्मा, सोहन मेवाड़ा, कन्हया ओझा, रामकरण पालीवाल, चांद सिंह राजपुरोहित, जबर सिंह राजपुरोहित, नगर पालिका उपाध्यक्ष जुगल किशोर निकुम, ताराचंद भाटी, सुरेन्द्र परिहार मोजूद रहें

राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा संगठन भारत की बैठक सदस्यता सम्मान समारोह आयोजित

राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा संगठन भारत की बैठक सदस्यता सम्मान समारोह राजकुमार राय उर्फ राजू चाचाके निवास पर आयोजित हुई जिसमें राजू राय जी को प्रदेश संगठन मंत्री ,केशव शर्मा जी प्रदेश उपाध्यक्ष यूथ,पवन कुशवाहा प्रदेश महामंत्री यूथ, कृष्णा सुरवारिया जिला सचिव यूथ,प्रशांत चंसौरिया जिलाध्यक्ष यूथ बनाया गया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एम एल शर्मा जी, राष्ट्रीय उपसंयोजक मनीराम शर्मा जी, प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा जी, प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन चंद शर्मा जी, मंत्री संदीप प्रधान जी, रिषभ चंसौरिया, लखन कुशवाहा,दीपक कुशवाहा,आकाश, पं प्रिंस शर्मा उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, गृह मंत्री, का दतिया में जोरदार स्वागत

दतिया। मंडी उपाध्यक्ष धर्मवीर उर्फ धीरू दांगी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ दतिया पधारे केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बीके शर्मा एवं दतिया के लाडले विधायक मध्य प्रदेश शासन के कद्दावर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का हृदय जोरदार स्वागत ढोल नगाड़े डीजे आतिशबाजी आदि के साथ होमगार्ड दतिया दिनारा रोड के पास किया । स्वागत के बाद मंडी उपाध्यक्ष अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ चार पहिया, दो पहिया वाहन रैली के रूप में सभा स्थल पर पहुंचे । स्वागत करने वालों में धीरू दांगी के साथ प्रमुख रूप से अवधेश यादव भागोर हरगोविंद अहिरवार पूर्व सरपंच भगोर, संदीप प्रधान सोनू गुप्ता लखन मोगिया,मुकेश गुप्ता जीतू गौतम बानोली, प्रबेंद्र कुशवाहा,अभिषेक शर्मा , संतोष दांगी डूंगरपुर गुड्डी आदिवासी नरेश शिवहरे भूरे शर्मा मीनू पोरिया बड़ौन कला पाराशर जी पचोखरा रंजन शर्मा महेंद्र दांगी नरेश दांगी विनोद यादव हरगोविंद विश्वकर्मा पातीराम कुशवाह रामकुमार अहिरवार भागोर पवन अहिरवार नरसी चौहान रईस पाल आदि मौजूद रहे

आओ मिलकर कुछ करें टीम के द्वारा सृजन-2020 कार्यक्रम संपन्न हुआ

मेधावी छात्र-छात्राओं का हमेसा होता रहेगा सम्मान-सतीश गुप्ता

लहार(अर्पित गुप्ता)

आओ मिलकर कुछ करे टीम लहार के द्वारा प्रति बर्ष की भांति इस बर्ष भी सृजन-2020 कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 10वीं एवं 12वीं के मेधावी छात्र छात्राओं को मेडल,प्रमाण पत्र तथा शील्ड प्रदान करके सम्मानित किया गया।जिसमें हाई स्कूल परीक्षा में कु. श्वेता सिंह 98त्न ,नवदीप अग्रवाल 98त्न, साहिल प्रताप सिंह 98त्न ,कु. काजल चौहान 97.3त्न तथा हेमंत कुमार गौतम 97.3त्न को पुरस्कार प्रदान किए7 हाई सेकेंडरी परीक्षा में कु.मोहिनी गुप्ता 91.8त्न ,कु. श्रुति झा 90.6त्न, कु. नेहा बघेल 89.4त्न , शैलेंद्र सिंह 89.6त्न , सत्यम सिंह 89.2त्न ,कु. निशा कुशवाहा 88.4त्न , कु. भारती राठौर 84.2त्न, कु. फिजा वानों 81.0त्न ,कु. हिमानी उपाध्याय 80.0त्नआदि सभी छात्र छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर

सम्मानित किया गया।इस दौरान टीम प्रमुख सतीश गुप्ता ने दहेज ना लेने ना देने का संकल्प दिलाया दहेज को सामाजिक व्यवस्था का कलंक बताया।कोविड-19 के चलते शासन के निर्देशानुसार कार्यक्रम को संक्षिप्त और सीमित रखा गया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी को हैंड सेनीटाइज करा कर मास्क वितरित किए गए तथा कोरोनावायरस बचाव के उपाय पर चर्चा की गई7शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. श्री श्यामसुंदर श्रीवास्तव ÷कोमल÷(हिंदी साहित्यकार) तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. श्री धर्मेंद्र श्रीवास्तव (बी.एम.ओ.) सिविल हॉस्पिटल लहार को शॉल ,श्रीफल और प्रशस्ति चित्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।आओ मिलकर कुछ करें टीम के सदस्यों में श्री दीपक शर्मा (पतंजलि) आकाशदीप शुक्ला,संजीव चौधरी पत्रकार,अरविंद आर्य ,रविंद्र कौरब,जितेंद्र सिंह चौहान,आंदोलन ओझा,चंद्र शेखर राजपूत ,संतोष शर्मा ,अनिल मिश्रा, रवि बुधौलिया, रविंद्र प्रजापति, शिवम राजावत , सुमित शर्मा,आदर्श राजावत , विनय भदौरिया, नवीन बुधौलिया,अंकित राजावत ,मोनू पचौरी,सहदेव सेंगर आदि सदस्य उपस्थित रहे।।

आदर्श शिक्षक सम्मान से समलंकृत हुये श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल

लहार,भिण्ड।(म0प्र0) लोक कल्याण के लिये समर्पित संस्था ÷आओ मिलकर कुछ करें÷ द्वारा आयोजित मेधावी छात्र-छात्राओं के ÷प्रतिभा सम्मान समारोह÷ में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्याम सुन्दर श्रीवास्तव %कोमल% को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय अवदान के लिये ÷आदर्श शिक्षक सम्मान÷ से शॉल,श्रीफल एवं भारतीय संस्कृति के उन्नायक स्वामी विवेकानंद का प्रशस्ति चित्र प्रदान कर समलंकृत किया गया। शासन के निर्देशानुसार कार्यक्रम संक्षिप्त रूप से सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम के पूर्व उपस्थित सभी लोगों को सेनेटाइजर से हाथ धुलाकर मास्क वितरित किये गये। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि महोदय द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। उल्लेखनीय है कि श्याम सुन्दर श्रीवास्तव %कोमल% अशोक उ0मा0विद्यालय लहार में हिन्दी के वरिष्ठ व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। बताते चलें कि श्याम सुन्दर श्रीवास्तव %कोमल% हिन्दी के प्रतिष्ठित साहित्यकार हैं।उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व पर बुन्देल खण्ड विश्वविद्यालय में ÷हिन्दी बाल साहित्यान्तर्गत कोमल जी का योगदान÷ शीर्षक से श्रुति गुप्ता द्वारा वर्ष 2013 में लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत किया था। गौर तलब है कि श्री श्रीवास्तव की कई रचनाएं पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई हैं।उनके सम्मानित होने पर नगर एवं क्षेत्र के शिक्षकों,साहित्यकारों,पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुये उन्हें बधाई प्रेषित की है।संस्था के इस कार्य की भी प्रशंसा की गई।

मुख्यमंत्री चौहान की अध्यक्षता में हुई पंचम वर्चुअल मंत्रिपरिषद की बैठक

खर्राघाट नहर मध्यम सिंचाई परियोजना के लिये 46 करोड़ 43 लाख से अधिक की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मंत्रि-परिषद की पंचम वर्चुअल बैठक हुई। मंत्रिपरिषद ने खर्राघाट नहर मध्यम सिंचाई परियोजना रूपांकित सिंचाई क्षमता 3500 हेक्टेयर के लिए 46 करोड़ 43 लाख 21 हजार की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी हैं। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के अंतर्गत भोपाल बायपास मार्ग पर कार, हल्के (वाणिज्यिक) वाहन,बस,ट्रक,मल्टी एक्सल ट्रक पर दूरी आधारित टोल दरें निर्धारित की गई हैं। साथ ही मासिक पास की राशि 85 रूपये नियत की गई है। सरकारी कर्तव्य पर भारत सरकार तथा मध्यप्रदेश शासन के सभी यान, संसद तथा विधानसभा के सदस्यों के यान,भारतीय सेना की ड्यूटी के सभी यान,एम्बुलेंस,फायर बिग्रेड,भारतीय डाक तथा तार विभाग के यान,भूतपूर्व विधायकों एवं सांसदों के यान, कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की जाने वाली ट्रेक्टर-ट्राली,आटो रिक्शा,दो पहिया एवं

बैलगाड़ियां,स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं अधिमान्यता प्राप्त पत्रकार को मार्ग पर टोल से छूट रहेगी। दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना में 44 नए अतिरिक्त केंद्र खुलेंगे। मंत्रिपरिषद ने दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना को कुछ संशोधनों के साथ निरंतर रखने की मंजूरी दी है। योजना में पूर्व में 56 केंद्रों के अतिरिक्त 44 नए केंद्रों के साथ कुल 100 रसोई केंद्र स्थापित किए जाएंगे। योजनान्तर्गत दिन का भोजन 10 रूपये प्रति व्यक्ति की दर से दिये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। योजना के परिचालन के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा नगरीय विकास एवं आवास विभाग के मांग अनुसार गेहूं और चावल उपलब्ध कराया जायेगा। योजना में औद्योगिकी नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग को प्राथमिकता के आधार पर कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत धन राशि उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया हैं। योजना के क्रियान्वयन के लिए सभी अनुषांगिक कार्यवाही के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अधिकृत किया गया हैं। मंत्रिपरिषद ने आत्म निर्भर भारत अभियान के पैकेज 2 में भारत सरकार,आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी) अंतर्गत प्रारंभ की गई अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग स्कीम को प्रदेश में लागू करने की मंजूरी दी । योजना 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में लागू की जायेगी। आपरेशन गाइडलाईन के प्रावधानों के अनुसार भारत सरकार आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय तथा मध्यप्रदेश शासन द्वारा मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट हस्ताक्षरित करने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अधिकृत किया हैं। योजना स्थल पर ट्रंक अंधोसंरचना का कार्य निकाय द्वारा किया जायेगा। इन कार्यो का वित्तीय भार निकायों पर आयेगा। ट्रंक अंधोसंरचना को पूरा करने के लिए राज्य शासन की ओर से प्रति परियोजना 5 करोड़ रूपये की अधिकतम सीमा में 50 प्रतिशत का वित्तीय अनुदान अलग से दिया जायेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 68 हजार हितग्राही लाभान्वित

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गरीबों का कल्याण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रोटी, कपड़ा और मकान मूलभूत आवश्यकता है। अपना स्वयं का मकान हो, यह हर व्यक्ति का सपना होता है। इसे पूरा करने के ?लिए राज्य शासन प्राण-प्रण से जुटा है। हमारे जिन भाई-बहनों के पास मकान नहीं है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान बनाने के लिए सहायता दी जा रही है। यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा आज प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 68 हजार हितग्राहियों के खाते में चौथी और अंतिम किस्त के 102 करोड़ रूपए सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित किए गए। मंत्रालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत प्रदेश में अब तक 20 लाख 30 हजार में से 17 लाख आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। वर्ष 2019-20 में 6 लाख आवास का लक्ष्य था, जिसमें से 3 लाख 45 हजार आवास पूर्ण हो चुके हैं। जिन भाई-बहनो को अब तक आवास नहीं मिले हैं, वे निराश न हों। उन्हें भी

सिंगल क्लिक से अंतरित हुए 102 करोड़ रूपए, उत्सव और आनंद के साथ करें गृह प्रवेश : मुख्यमंत्री

आवास प्लस के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन हितग्राहियों के आवास निर्माण का कार्य पूरा हो गया है उनके गृह प्रवेश का कार्यक्रम 12 सितम्बर को आयोजित किया जा रहा है। दिल्ली से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भोपाल से वे स्वयं कार्यक्रम से जुड़ेंगे। सभी ग्राम पंचायतों में यह कार्यक्रम उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संदेश 12 सितम्बर को अपरान्ह 11 बजे प्रसारित होगा। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों से इस संबोधन से जुड़ने की अपील की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मेरा लक्ष्य है कि सभी गरीबों का कल्याण हो, उन्हें सभी सुविधाएं मिलें। इस दिशा में केन्द्र और राज्य शासन लगातार सक्रिय है। आगामी 16 सितम्बर को प्रदेश के 37 लाख लोगों को राशन वितरण की शुरूआत की जाएगी। इसी क्रम में 18 सितम्बर को फसल बीमा योजना के 4 हजार 600 करोड़ रूपए किसानों के खातों में डाले जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राशि अंतरण के अवसर पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से बातचीत की।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कोरोना से बचाव के लिए जागरूकता अभियान निरंतर चले : मुख्यमंत्री

डोर-टू-डोर सैंपल लेने का कार्य नहीं होगा, फीवर क्लीनिक में सेंपल लेने की व्यवस्था होगी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रिपरिषद बैठक के पूर्व कोविड-19 की मध्यप्रदेश में स्टेट्स की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अन्य स्थानों से रोगी भोपाल और अन्य बड़े नगरों में उपचार के लिए आ रहे हैं। ये रोगी अपना उपचार जिला स्तर पर ही करवा सकते हैं। प्रत्येक जिले में उपचार उपलब्ध है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि वर्तमान केस संख्या को देखते हुए बिस्तर क्षमता भी बढ़ाएं। इसके साथ ही प्रत्येक जिले में कंट्रोल कमांड केन्द्र सक्रिय हों, यहां डॉक्टर भी परामर्श देने के लिए उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि किसी भी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। आवश्यक हो तो प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में उपयोग में लाई जा रही ऑक्सीजन का भी उपचार में प्राथमिकता से उपयोग होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसे सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आम जन द्वारा मॉस्क के उपयोग की अनिवार्यता भी सुनिश्चित हो। इसके लिए भी अभियान चलता रहे।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नगरीय प्रशासन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग प्रचार कार्य करें। जागरूकता के प्रयास बढ़ें। बसों में यात्री अनिवार्य रूप से मास्क लगाएं , यह परिवहन विभाग सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अनलॉक के बाद अब बाजार खुल रहे हैं, साथ ही चुनौती भी बढ़ रही हैं। इसलिए निरंतर सावधानियाँ बरती जाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 4 बड़े नगरों भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर में जिलों से काफी रोगी आते हैं।यह स्थिति बहुत आदर्श नहीं है क्योंकि अन्य जिलों में भी नागरिक इलाज करवा सकते हैं,लेकिन यहां व्यवस्थाएं भी पुख्ता हों। इन अस्पतालों में जरूरत के मान से अधिक बिस्तर व्यवस्था भी की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि इस समय प्रदेश में रिकवरी रेट 76 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश में मृत्यु दर भी कम हुई है। मृत्यु दर 2.4 से 1.4 प्रतिशत हुई है। इस समय मध्यप्रदेश में करीब 17 हजार एक्टिव केस हैं। मध्यप्रदेश में लगभग 40त्न रोगी घरों में क्वारेंटाइन होकर उपचार लाभ ले रहे हैं। निजी अस्पतालों की क्षमता भी बढ़ाई जा रही है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि प्रदेश में बेड उपलब्धता की समस्या नहीं है लेकिन भविष्य के महीनों के लिए आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। इस समय भोपाल, इंदौर जैसे नगरों में आईसीयू बेड लगभग 55त्न भरे हुए हैं।

आऊट ऑफ द बॉक्स थिंकिंग से इनोवेशन प्रारंभ होता है- यशोधरा

भोपाल। संपूर्ण विश्व में कोविड महामारी के कारण जन जीवन असामान्य हो गया है इस संकट काल में खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया चुनौती को अवसर में बदलने और खेल के क्षेत्र में नित नए नवाचार को प्रारंभ कर क्रियान्वित करने में प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को श्रीमती सिंधिया ने लगभग दो घंटे अमेरिकन ओलम्पिक, पैरा ओलम्पिक एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट श्री कैली स्कीनर के साथ % स्पोर्ट्स हाई परफारमेंस लीडरशिप% प्रोग्राम के लाइव ऑनलाइन सेशन में चर्चा की। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के कारण विश्व भर में खेल गतिविधियां बंद थी। प्रदेश में अनलॉक के बाद खिलाड़ियों के प्रशिक्षण का सिलसिला चरणबद्ध रूप से शुरू किया गया है। अब खिलाड़ी और प्रशिक्षक स्पोर्टस हाई परफारमेंस लीडरशिप प्रोग्राम की मदद से बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि %आउट ऑफ द बॉक्स% सोचने से ही इनोवेशन की शुरूआत होगी।इस सेशन में श्री कैली स्कीनर ने बताया कि स्पोर्ट्स में इनोवेशन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विंस्टन चर्चिल के फेमस शब्द का उदाहरण देते हुए बताया जब आपके पास पैसे कम हों, तो आपको आउट ऑफ बॉक्स यानि क्रियेटिव आईडिया, क्रियेटिव थॉट, नई सोच से काम लेना चाहिए। उन्होंने इनोवेशन के प्रोसेस को त्रिस्तरीय बताया। त्रिस्तरीय इनोवेशन में आईडिया जनरेशन, प्राब्लम सॉल्विंग और इम्पलिमेंटेशन शामिल हैं श्री कैली ने स्केटिंग, थ्रो, रनिंग के उदाहरण के साथ बताया कि कैसे खेलों में इनोवेशन का उपयोग कर हाई परफारमेंस ओलम्पिक में अचीव किया जा सकता है। उन्होंने अपने सेशन में टेलेंट आइडेंटिफिकेशन तथा टेलेंट ट्रांसफर में अमेरिका में किए गए इनोवेशन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक टेलेंट स्काउटिंग कैम्प के लिए एक ऐड तैयार किया था, वह इतना इंस्पायरिंग था कि उसको देखकर नौ हजार से ज्यादा खिलाड़ियों ने इस टेलेंट स्काउटिंग कैम्प में स्क्रीनिंग कराई। इसी तरह उन्होंने अमेरिका के विभिन्न खेल संघों से अपने ऐसे खिलाड़ियों को चिन्हित करने को कहा जो उनके खेल में उतने सफल नहीं हुए, जितना उनमें टेलेंट था।

समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करें : मंत्री कंषाना

भोपाल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने दतेहरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना का कार्य समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ किए जाने के निर्देश पीएचई अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाने से जहाँ आम जनता को योजना का लाभ मिल जाता है वहीं निर्धारित लागत में कार्य होने से सरकार के धन की बचत भी होती है।मुरैना जिले के कोतवाल डैम (जल स्त्रोत) से 22 ग्रामों में घरेलू नल कनेक्शन से पेयजल उपलब्ध कराने की इस योजना की लागत 32.24 करोड़ रूपये है। दतेहरा ग्रामीण समूल जल प्रदाय योजना से 45 हजार से अधिक आबादी को 7 हजार 460 घरेलू नल कनेक्शन से शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकेगा। योजना का कार्य प्रगति पर है और इसे पूर्ण करने का लक्ष्य 31 मार्च 2021 निर्धारित किया गया है। योजना से लाभान्वित होने वाले ग्रामों में मिरगेन, दीधावाली, दतेहरा, परीक्षा, ढूगरपुर, अजनौदा, सुजानपुर, खैरिया कलां, काजी बसइंया, नागरा, कोतवाल, बिछोला, बमरौली, मदन बसई, गिरगौथ, बिरतोली, बरेंदा, खैरा, नरसिंहपुर, माता बसईया, भिकोलाकापुर एवं भातपुर शामिल हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अमलीकरण में विश्वविद्यालय मार्गदर्शन करें

भोपाल। राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को धरातल पर सफलता पूर्वक लाने के लिए विभिन्न पहलुओं के अमलीकरण में शासकीय और निजी विश्वविद्यालय मार्ग दर्शक की भूमिका में आगे आयें। विश्वविद्यालय रोजगार परक शिक्षा का स्वरुप, पाठ्यक्रम निर्माण, शोधों को प्रयोग शाला से व्यवहारिकता की जमीन पर लाने, शैक्षणिक गुणवत्ता, प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की शिक्षा पद्धति, इटर्नशिप, क्रेडिट स्कोर, शिक्षक प्रशिक्षण जैसे विभिन्न पहलुओं पर विषयवार समूह बनाकर चिंतन मनन करें। श्रीमती पटेल आज राजभवन में शासकीय विश्वविद्यालयों की अकादमिक गतिविधियों की समीक्षा के दौरान विडियों कांफ्रेस में कुलपतियों

राज्यपाल पटेल ने कुलपतियों की विडियों क्रांफ्रेस में दिए निर्देश

को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर उच्चशिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बरकतउल्ला एवं देवी अहिल्या शासकीय विश्व विद्यालयों के कुलपति मौजूद थे। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने क्षेत्र ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के पहले 5 वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह नीति की सफलता का आधार है। इसमें भी आंगनवाड़ी के पहले 3 वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है। आंगनवाड़ी में शिशु के लालन-पालन की पद्धति और प्रणाली कैसी हो कि बच्चे सुनकर, खिलौने से खेल कर सीख सकें। अनुशासन, सम्मान, स्वच्छता, करुणा, सेवा, स्नेह और भातृत्व के संस्कार उनमें बस जाए। इसी तरह प्राथमिक शिक्षा में कहानी, प्रसंग, विषयों का निर्धारण और शिक्षक प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं के विकास में दिशा दर्शन जरुरी है। माध्यमिक स्तर पर इटर्नशिप जैसी व्यवस्था किस तरह क्रियान्वित की जाये। उसका स्वरूप कैसे निर्धारित किया जाए।ऐसे अनेक आयामों पर विचार विमर्श सफल क्रियान्वयन के लिए जरुरी है। क्रियान्वयन की रुपरेखा पर व्यापक स्तर पर विश्वविद्यालय परिसंवाद करें। जहाँ भी जो भी अच्छा है, उसे प्राप्त कर एकीकृत करें। क्रियान्वयन पथ को आलोकित करें। श्रीमती पटेल ने कहा कि उच्चशिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी सोच की रीति नीति के साथ कार्य किया जाए। प्रत्येक विश्वविद्यालय उसकी विशेषज्ञता के आधार पर नीति के आयामों को चिन्हित करें। क्रियान्वयन कार्य का स्वरूप और खाका तैयार करें। औद्योगिक क्षेत्रों के विश्वविद्यालय रोजगार परक शिक्षा के शिक्षण-प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का सर्वेक्षण और अनुसंधान कर पाठ्यक्रमों का चयन और निर्माण करें। इसी तरह अन्य विश्वविद्यालय भी विशेषज्ञता क्षेत्र का निर्धारण कर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के हर पहलू और आयाम के सफल क्रियान्वयन की कार्य योजना बनाएं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार की श्रंखला चलाए जाने की जरूरत बताई। शिक्षकों को एक वर्ष में ऑनलाइन पाठ्यक्रम स्वयं का कोई एक कोर्स करने के निर्देश दिए।

संपादकीए

नहीं मान रहा चीन

भारत और चीन के बीच सीमा पर जारी तनाव को कम करने के प्रयास लगातार जारी है और इसी के चलते रविवार को दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुआ। चुशूल के पास ब्रिगेड स्तर की बातचीत का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। इससे पहले मॉस्को में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षामंत्री वेई फेंगे के बीच बातचीत हुई थी। उसके बाद भी चीन उल्टा भारत को ही नसीहत देने लगा। जबकि यह बैठक चीन के अनुरोध के बाद हुई थी। अब एलएसी पर चीन के सैनिकों द्वारा गोली चलाए जाने की खबर है। सीमा पर फायरिंग की घटना 45 साल बाद सामने आई है। गोली चलाने के बाद भी चीन कह रहा है कि भारतीय सेना ने गैरकानूनी तरीके से पैंगोंग झील के दक्षिणी तट पर सोमवार को एलएसी का उल्लंघन किया। भारतीय सैनिकों द्वारा पीएलए के गश्ती दल पर चेतावनी भरी फायरिंग करने के बाद चीनी सैनिकों को जवाबी कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद चीन ने कहा, हम भारतीय पक्ष से आग्रह करते हैं कि इस तरह की कार्रवाई को तुरंत रोकें। हालांकि, भारत ने चीन के उस आरोप का खंडन किया कि भारतीय सेना ने सोमवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार किया। भारत ने स्पष्ट किया कि भारत ने सीमा उल्लंघन नहीं किया है और भारत कभी युद्ध नहीं चाहता है। इससे पहले चीन ने भारतीय सेना पर वास्तविक नियंत्रण रेखा के उल्लंघन के साथ ही फायरिंग का आरोप लगाया था। एलएसी पर 45 साल बाद फायरिंग हुई है। भारतीय सेना ने कहा, यह पीएलए ही है जो सैन्य और राजनयिक स्तर पर चल रही बैठकों के दौरान भी समझौतों का उल्लंघन कर रहा है। 7 सितंबर को भी चीनी सैनिक ही एलएसी पर भारतीय फॉरवर्ड पोजीशन के करीब पहुंचने का प्रयास कर रहे थे, जब समझाने पर भी वे नहीं मान रहे थे तब चीनी सेना ने ही अपने सैनिकों को रोकने के लिए हवा में कुछ राउंड फायर किए थे। इस तरह उकसाने के बावजूद हमारे सैनिकों ने संयम का परिचय दिया और जिम्मेदारीभरा व्यवहार किया। हम शांति, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने के लिए कटिबद्ध हैं। बता दें कि पैंगोंग झील के दक्षिण किनारे पर चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सैनिकों ने चेतावनी दी, लेकिन रुकने के बजाय उन्होंने फायरिंग कर दी। इस पर भारतीय सैनिकों ने भी जवाबी फायरिंग की। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लगभग चार दशक बाद पहली बार गोली चली है। दोनों देशों की सीमा पर इससे पहले 45 साल पहले गोली चली थी। 20 अक्टूबर 1975 को अरुणाचल प्रदेश के तुलुंग ला में चीन ने असम राइफल की पैट्रोलिंग पार्टी पर धोखे से एम्बुश लगाकर हमला किया था। इसमें भारत के 4 जवान शहीद हुए थे। वहीं इसी साल जून में गलवान में दोनों देशों के बीच हुई झड़प में हमारे 20 सैनिकों की शहादत हुई थी। हालांकि गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के दौरान भी चीनी और भारतीय जवानों की ओर से गोलियां नहीं चलाई गई थीं। पिछले दो हफ्तों में भारतीय और चीनी सेना दो बार आमने-सामने आई हैं। 31 अगस्त की दोपहर भी चीन सेना ने भारतीय इलाके पर कब्जे की कोशिश की थी जिसे भारतीय सेना ने रोका था। जबकि इससे पहले 29-30 अगस्त की रात चीन की साजिशों को नाकाम करते हुए भारतीय सेना ने पैंगॉन्ग झील के दक्षिणी हिस्से में मौजूद अहम चोटियों, ब्लैक टॉप और हेलमेट टॉप पर कब्जा कर लिया था। यह रणनीतिक रूप से काफी अहम मानी जाती है। यहां से चीनी सैनिक कुछ मीटर की दूरी पर ही हैं। रविवार और सोमवार की रात चीनी सैनिकों ने इस चोटी पर कब्जे की साजिश रची थी। लेकिन, भारतीय सेना की स्पेशल ऑपरेशन बटालियन ने न सिर्फ उन्हें खदेड़ दिया, बल्कि यह पूरी चोटी अपने कब्जे में ले ली। ब्लैक टॉप और हेलमेट टॉप पर भारतीय सेना के मजबूत पोजिशन लेने के बाद चीन की पोस्ट भारतीय फायरिंग रेंज में हैं। भारतीय सैनिक ऊंचाई पर हैं, जबकि चीन की पोस्ट नीचे। चीन की पोजीशन और ट्रूप को भारतीय इलाकों से देखा जा सकता है। और उस पर निगरानी रख सकते हैं। हमारी पोजिशन से चीन के भारतीय इलाकों में एंट्री पॉइंट्स बंद हो गए हैं। जिन इलाकों से एलएसी को लेकर घपला कर चीन भारतीय सीमा में पैट्रोलिंग करता था, वहां अब भारतीय सेना का दबदबा है।

पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी शिक्षण

रश्मि वत्स
मेरठ(उत्तर प्रदेश)

भारतवर्ष की प्रमुख विशेषता है -विविधता में एकता।हमार देश में लगभग 170 भाषाएँ और तकरीबन 500 बोलियां हैं।भारत के अनेक राज्य हैं और उनकी अपनी अलग भाषा ।इस दृष्टि से भारत एक बहुभाषिय राष्ट है।अन्य देशों की तरह भारत की भी अपनी एक राष्ट-भाषा है और वो है हमारी प्यारी ÷ हिन्दी ÷।हिन्दी में इतनी मिठास है कि हर को इसे बोलना और सीखना
चाहता है ।हिन्दी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जिसे अपने क्षेत्र से विकसित होने का सुअवसर मिला और आज वह विश्व की तीसरी सबसे बड़ी भाषा है ।

उत्तरपूर्व की भाषाओं का अन्य भाषाओं के साथ गहरा संबंध है ।पूर्वांचल में वास्तविक रूप से हिन्दी का पदार्पण तब हुआ जब 1934 ई. में ÷अखिल भारतीय हरिजन सेवा संघ ÷ की स्थापना हेतु महात्मा गांधीजी असम आए ।तब उन्होंने जगह-जगह संमबोधनों में असमिया को हिन्दी से परिचित होने की बात कही ।तब पीतांबर देव स्वामी ने सूचित किया कि यहाँ हिन्दी सिखाने वालों की कमी है ।अगर कुछ व्यवस्था हो जाए तो वह इसपर कार्य करेगें ।तब महात्मा गांधीजी ने बाबा राघव दास को हिन्दी प्रचारक के रूप में नियुक्त कर असम भेजा । राघव दास के आश्रम में रजनीकांत चक् वर्ती और हेमकांत भट्टाचार्य जी हिन्दी सीख रहे थे बाद में नवीन च्ंदजी भी आ गए ।इन तीनों को राष्टभाषाप्रसार समिती वर्षा द्वारा संचालित ÷ हिन्दी अध्यापन मंदिर ÷ में प्रशिक्षण के लिए भेज दिया गया।असल में ये तीनों ही हिन्दी शिक्षण के पुरोहित थे।इन तीनों के सहयोग से ही पूर्वोत्तर भारत के विद्यालयों में हिन्दी भाषा की नींव पड़ी है ।यही समिती आगे चलकर ÷असम राष्टभाषा प्रसार समिति बनी ,जो भारत के स्वैछिक संस्थानों में से एक है । असम राष्टभाषा प्रसार समिति का मुख्य उदेश्य हिन्दी भाषा का विस्तार करना था ।कहते हैं जिन भाषाओं की लिपि देवनागरी होती है,वह भाषा हिन्दी न होते हुए भी देवनागरी लिपी के माध्यम से प्रचार- प्रसार में सहायता
प्रदान करती है ।उदाहरण के रूप में अरूणाचल प्रदेश की भाषा क्मोनपा ÷ ÷,मिजी÷ और ÷ अका÷ ,।असम में ÷ मिरी÷,÷ मिसमि÷ और ÷बोड़ो÷ है। नागालैण्ड में ÷अडागी सेमा÷,÷लोथा÷,÷ रेम्पा÷ ,÷चाखै ÷,÷तांग फोम÷ ,तथा÷ ÷नेपाली÷ है। सिक्किम में ÷ नेपाली÷, लेपचा , भडपाली लिंम्बू आदि भाषाओं की लिपी देवनागरी है ।देवनागरी लिपी अधिकांश भारतीय लिपियों की जननी है ।अत÷ इसके प्रचार- प्रसार से पूर्वोत्तर राज्यों में हिन्दी सीखना बहुत आसान हो गया है ।असम की स्थानिय भाषा ÷ अहोल ÷ है।माना जाता है कि थाईलैड की ÷अहोम÷ जाति कभी यहाँ। राज किया करती थी ।1947 में जब भारत आजाद हुआ तो पूर्वोत्तर में तीन राज्य थे मणिपुर,त्रिपुरा और असम ।असम की राजथानी शिलांग हुआ करती थी जो अब मेघालय की राजधानी है ।इसके बाद इन राज्यों में चार और राज्य बन गए।1963 में नागालैण्ड,1972 में मिजोरम यूनियन टेरिटरी और 1987 में अरूणाचल प्रदेश ।इसके बाद पूर्वोत्तर मे 7 राज्य हो गए जो सात ÷ बहनों ÷ के नाम से प्रसिद्ध हुए संविधान सभा ने संविधान बनाते समय भारत के दक्षिणऔर पूर्वोत्तर राज्यों को भाषाई आधार पर गैर हिन्दी मानते हुए इन्हें ÷ ग ÷श्रेणी में रखा परंतु व्यवहारिक तौर पर वैसी बात नही थी ।यहाँ के लोगों के लिए हिन्दी विचारों के आदान प्रदान की सबसे आसान माध्यम है,हिन्दी यहाँ एक सेतु का काम करती है ।यहाँ के स्थानिय बाजारों में,बस स्टाप,दुकानों में हर जगह हिंदी सुनाई देती है। आज पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों में हिन्दी का परचम लहरा रहा है। पूर्वोत्तर के सातों राज्यों के विकास के लिए 1971 में केन्द्रिय संस्था के रूप में ÷ पूर्वोत्तर परिषद÷ के गठन के बाद भारत सरकार ने हिन्दी की प्रगति के लिए प्रभावी योजना बनाना आरंभ कर दिया है यहाँ दूसरे राज्यों से व्यापार के जरिए हिन्दी का प्रचार- प्रसार अत्यधिक बढ़ा है। पूर्वोत्तर राज्यों में ÷ केंद्रिय हिन्दी संस्थान ÷ का योगदान अंत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। इसके तीनों केंद्र गोवाहटी, शिलांग तथा दीमापुर में स्थित हैं।ये तीनों केंद्र हिन्दी शिक्षण- प्रशिक्षण के श्रेत्र में कार्यरत हैं । हिन्दी भारतीय सभ्यता और संस्कृति का प्रतीक है।हिन्दी बहुत ही धनी भाषा है ,यह किसी भी भाषा के शब्द को आसानी से ग्रहण कर लेती है ।सन् 1909 में केन्द्रिय विकास राज्य मंत्री के.संगमा ने हिन्दी में शपथ ग्रहण कर इसे और मजबूत किया ।पूर्वोत्तर का जनाधार बढ़ता जा रहा है ।पूर्वोत्तर में हिन्दी के विकास में मारवाडी समुदाय की अहम भूमिका रही है ।हिन्दी अखबार ,पत्र-पत्रिकाओं प्रकाशन,साहित्यिक,सांस्कृतिक और धार्मिक योजनाओं में इनकी अहम भूमिका है।नैजवानों से अनुरोध है कि वह हिन्दी को बढावा दें।हिन्दी भाषा सरस,सरल और रूचिर है अत÷हिन्दी को अवश्य अपनाएँ ।

अपने शिक्षकों की स्मृति लिए

कल से सोच रही हूँ। शिक्षक दिवस पर क्या कुछ नया हो। सोचते हुए एक कहानी और एक कविता लिख दी। फिर किसी ने कहा आप अपनी एक फोटो भेज दें, आपको सम्मानित करना है, वह भी कर दिया। फ़िर कई नए-पुराने विद्यार्थियों के मैसेज आए उन्हें भी जवाबदेही बनती थी। यह सब करने के बाद भी मैंने खुद से अपने किसी पुराने या नए शिक्षक को शिक्षक दिवस की शुभकामना नहीं भेजी। मन में ख़याल तो कई बार आया फ़िर शायद ऐसा सोच के ऐसा नहीं किया कि सिर्फ़ आज याद करने के नाम पर मुबारकबाद दूँ, जिन्होंने हर पल के कार्यों को करने की आधारभूमि तैयार की हो, उनके लिए एक दिन, एक पल, एक मुबारकबाद काफ़ी है क्या? बस ऐसी उधेड़बुन में उलझी हुई मैं उन्हें सारा दिन याद करती रही। काश उन सभी से किसी एक पटल पर कभी एक साथ मिल पाऊँ, ऐसा स्वप्न मेरी आँखों में और ऐसा अरमान मेरे मन में है। जब - जब मैं आगे बढ़ती हूँ तब-तब लगता है यह बढ़ना उन्हीं सब के सिखाए का निचोड़ है, लेकिन मेरे सभी शिक्षकों ने मुझे कभी यह नहीं जताया, उनकी यही बात मेरी प्रेरणा है कि सद्कर्मों को कहा और गिनाया नहीं जाता। एक शिक्षक की एक उक्ति मैं साझा जरूर करूँगी, गुरु के लिए बड़े ही गर्व की बात होती है जब उसके विद्यार्थी के नाम से गुरु की पहचान होने लगे, तुम जब भी कोई काम करना यह जरूर सोचना क्या इस काम से मेरे गुरु का नाम खराब तो नहीं होगा, यह सोचकर तुम जीवन में कभी कोई गलत काम नहीं करोगी। ऐसा ही कुछ मेरे अभिभावकों ने भी कई बार मुझे कहा था। इसलिए मैं कोई भी नया काम करने से पहले इस बात को स्मरण करती हूँ कि मेरे कृत्य से मेरे सिखाने वाले गुरुओं का नाम खराब न हो और ईश्वरीय कृपा है अब तक ऐसा नहीं हुआ है। अपने सभी शिक्षक गुरुओं की स्मृति में उनसे मिलने की आस लिए मैं उनकी अनुगामी बनी रहूँ, यही मेरी ईश्वर से प्रार्थना है।

डॉ.लता
नई दिल्ली

मातृभाषा हिन्दी

अनजाने में कविता पाठ ,
किया करता हूं ।
सब के दिल में जोश नया ,
यूं ही भरता हूँ ।

सब कहते हैं काश !कवि ,
मैं भी बन जाता ।
मैं बोला बन जाओ नाम ,
कमाओ भ्राता ।

कवि ही हिंदी का शुद्ध प्रयोग ,
किया करते हैं ।
इसे राष्ट्रभाषा का मान ,
दिया करते हैं ।

हिंदी अपनाने में शर्म ,
हमें क्यों आती ।
इसे मातृभाषा कह के क्या ,
इज्जत जाती ?

अंग्रेजी का शत्रु नहीं हूँ ,
पर हिंदी का ।
प्रबल समर्थक हूं माथे की ,
इस बिंदी का ।

लाज न आये हमको हिंदी ,
अपनाने में ।
÷कृष्ण÷ हमारा वैभव है ,
हिंदी लाने में ।

पाप नहीं ये हिन्दी हम ,
सबकी भाषा है।
हिंदी से ज़िंदा भारत की ,
अभिलाषा है

जय हिन्दी-जय हिन्दुस्तान।

कवि कृष्ण कुमार सैनी
दौसा राजस्थान

अगर तुम राधा होते श्याम।

मेरी तरह बस आठों पहर तुम,
रटते श्याम का नाम।।
वन-फूल की माला निराली
वन जाति नागन काली
कृष्ण प्रेम की भीख मांगने
आते लाख जनम।
तुम, आते इस बृजधाम।।

चुपके चुपके तुमरे हिरदय में
बसता बंसीवाला;
और, धीरे धारे उसकी धुन से
बढ़ती मन की ज्वाला।
पनघट में नैन बिछाए तुम,
रहते आस लगाए।
और काले के संग प्रीत लगाकर
हो जाते बदनाम।।

धापू खारवाल पचपदरा मंडापूरा
जिला बाड़मेर राजस्थान ।

इंतहा-सुजल

कब तक तड़प सहुँगा खुशी का हार दे दे।
गम आता है मेरी ओर दरम्यां कोई दीवार कर दे।
अब तो तन्हाइयों की इंतहा हो गई,
ऐ खुदा! मेरे महबूब का एक दीदार दे दे।
फैलते अंधेरों में रोशन कोई चिराग कर दे।
खामोश दिलों में शामिल कोई साज कर दे।
कहीं डूब न जाए आँसुओं में तमन्नाओं की तकदीर,
धड़कते दिलों में शांत ये सैलाब कर दे।
मैं उसका वो मेरा बने ऐसी कोई राह कर दे।
छू न सके गम कोई तू अपनी पनाह कर दे।
ना जाने कब जिंदगी की शाम हो जाए सुजल,
वो पल भर मुझे मांगे ऐसी उसमें चाह भर दे।

ब्रह्मानंद गर्ग सुजल
जैसलमेर, राजस्थान।

स्वरचित प्रेम पथिक

चाह मेरी मैं राधा बन जाऊं
वंशी की धुन पर दौड़ी आऊं
गोपियों संग नाचूं थिरकू
कान्हा की मुरली बन जाऊं
मैं प्रेम पथिक कहलाऊं!!!

चाह मेरी मैं मीरा बन जाऊं
नित नए भजन मैं गांऊ
कृष्ण की भक्ति में खो जाऊं
गिरधर की दीवानी बन जाऊं
मैं प्रेम पथिक कहलाऊं!!!

चाह मेरी मै कली से फूल बन जाऊं
फूलो की माला बन गूंथी जाऊं
वीरो के गले का हार बन जाऊं
अपने भाग्य पर इतराऊं इठलाऊं
मैं प्रेम पथिक कहलाऊं!!!

प्रियंका पांडेय त्रिपाठी
प्रयागराज उत्तर प्रदेश

सुखों-दुखों की बंधी संसार में सीमा अगर हो

टूटते हैं टूट जाएं , पर असर धीमा अगर हो
टूट जाने का कभी , फिर कोई अफसोस न हो
जिंदगी आसान होगी , ख्वाबों का बीमा अगर हो

तब जो टूटेगा कोई दिल, या कोई रुसवाई होगी
जिसका जो नुकसान होगा, बीमे से भरपाई होगी

फिर न कोई दूर होगा, सारे ही अपने रहेंगे
फिर सभी निश्चिंत होकर, देखते सपने रहेंगे
सब सजग हो जाएंगे तब, भ्रम नहीं पालेगा कोई
खुशियां ही खुशियां दिखेंगी, गम नहीं पालेगा कोई

दूर तक फिर मुश्किलों, की नहीं परछाई होगी
जिसका जो नुकसान होगा, बीमे से भरपाई होगी

ख्वाब फिर अपनी पसंद के, खुश रहेंगे देख सारे
फिर बदल जाएंगे शायद, किस्मतों के लेख सारे
फिर कोई लाचारियों को, बेबसी को न सहेगा
फिर शिकायत जिंदगी से किसी को न रहेगा

न्याय सबके साथ होगा, ऐसी जब सुनवाई होगी
जिसका जो नुकसान होगा, बीमे से भरपाई होगी

विक्रम कुमार
मनोरा, वैशाली

आधुनिक परिवेश में सिसकती हिन्दी

आज के आधुनिक परिवेश में मानव जीवन पर आधुनिकता पूरी तरह से हावी होती जा रही है, लोग अंग्रेजी भाषा की तरफ ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं । उन्हें लगता है कि अंग्रेजी भाषा से उनके व्यक्तित्व पर काफी प्रभावशाली प्रभाव पड़ता है, जिससे कि वह बहुत ही गर्व महसूस करते हैं । मानव जीवन की पारिवारिक पृष्ठभूमि अंग्रेजी भाषा की तरफ निरंतर बढ़ रही है । लोग अपनी भावी पीढ़ी को अंग्रेजी भाषा के ज्ञान को अनिवार्यता प्रदान करने की कोशिश में सदैव लगे हैं , जिसके कारण हमारी हिंदी कहीं न कहीं स्वयं को सदैव अपनी उपस्थिति का अहसास कराने के लिए बेबस होती दिखती है । भारतीय संस्कार में हिन्दी भाषा की अपनी अलग मिठास रही है । आज भी हमारे समाज में हिन्दी भाषा की अपनी अलग पहचान है , किन्तु आज के आधुनिक परिवेश में हमारे शिक्षण संस्थान अंग्रेजी भाषा पर अपनी शिक्षण प्रणाली को ज्यादा विकसित कर रहे हैं । हिन्दी भाषा के प्रति उनका दायित्व धीरे-धीरे कम होता जा रहा है, जिसके कारण हमारी हिन्दी भाषा अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्षरत है । मैं किसी भाषा

का विरोध नहीं कर रहा हूँ, किन्तु हमारी मातृ भाषा हिन्दी जो हमारे भारतीय समाज के संस्कारों की धुरी है , उसके अस्तित्व का धूमिल होना हमारे लिए सोचनीय है । हमारे अभिवादन की परंपरा %प्रणाम, नमस्ते, नमस्कार, सुप्रभात, शुभ संध्या% आदि जिसकी रसता हमारे होठों पर मधुर मुस्कान बिखेर देती थी , आज वही हैलो, हाय जैसे नीरस भाषाओं में सिमटती जा रही हैं । जिससे हमारी हिन्दी भाषा की लाचारी स्पष्ट दिखाई देती है ।

आज की हमारी साहित्यिक संस्थाएं भी आधुनिकता के आवरण के साथ हिन्दी साहित्य की सेवा का दिखावा ज्यादा करते हैं, जिसमें साहित्य सेवा के नाम पर हमारी मातृ भाषा के साथ न जाने कितनी ज्यादती हो रही है । अतः हमारी मातृ भाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति इस बात की तरफ इंगित करती है कि अगर हमें अपनी मातृ भाषा को गौरवान्वित व सम्मानित करना है तो हमें अपनी आधुनिक जीवन शैली में थोड़े से बदलाव करने होंगे, तभी हमारी हिन्दी को वो स्थान मिल पाएगा जिसकी वो अधिकारी है । अन्यथा यूँ ही आज के आधुनिक परिवेश में हमारी मातृ भाषा सिसकती रहेगी...।।

विजय कनौजिया
ग्राम व पत्रालय- काही
जनपद- अम्बेडकर नगर-
224132 (उ.प्र.)

पुस्तक समीक्षा

पुस्तक का नाम- युगभारती
रचनाकार- महेन्द्र कुमार मध्देशिया
प्रकाशन वर्ष- 2020 ई0
प्रकाशन संस्थान- प्रखर गूँज प्रकाशन, दिल्ली
समीक्षक- स्मिता श्रीवास्तव

कवित्त मन जब मानवीय, सामाजिक और प्राकृतिक चिंतन से गुजरता है तब ऐसे पुस्तक की रचना होती है। जिसमें कहीं धर्मांधता पर प्रहार, कहीं सामाजिक सरोकार तो कहीं मानवीय मूल्यों के साथ प्राकृतिक चिंतन से ओत-प्रोत कविताएँ बहुत ही सार्थक और ह्रदय के छूते शब्दों को समाहित किये हुए हैं। जीवन के प्रति जागरूक और कर्तव्यनिष्ठ होने के साथ ही कवि ने निर्मोही होने की बात भी कही है, जो एक व्यावहारिक, संस्कारिक और आध्यात्मिक व्यक्ति ही कह सकता है। देशप्रेम की भावना समेटे सीमा पर डटे ज़वान की बात हो या अपनी परिस्थितियों से जूझते हुये समाज के हर वर्ग की चिंता करने वाले किसान या एक प्रेमी ह्रदय नायक की व्यथा कवि प्रत्येक व्यक्ति के मर्म और कर्तव्य से भली-भांति परिचित है। अतः पुस्तक हर प्रकार से पाठनीय और विचारणीय है।

-स्मिता श्रीवास्तव

कलेक्टर अनुराग वर्मा ने जिलाधिकारियों को सौंपे दायित्व

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 10 सितंबर को दिमनी एवं पोरसा तथा 12 सितंबर को मुरैना, छैरा और कैलारस में कार्यक्रमों में सम्मिलित रहेंगे

मुरैना। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 10 सितंबर को मुरैना जिले के विधानसभा क्षेत्र दिमनी के ग्राम रतिराम पुरा, अंबाह विधानसभा क्षेत्र के पोरसा गल्ला मंडी में सभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा 12 सितंबर को मुरैना विधानसभा क्षेत्र के मुरैना मुख्यालय, गल्लामंडी प्रांगण, सुमावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छैरा और जौरा विधानसभा क्षेत्र के कैलारस मुख्यालय के गल्लामंडी प्रांगण में मुख्यमंत्री कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को मूर्त रूप देने एवं मंच पंडाल आम सभा स्थल, हेलीपेड की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिये। जिस विभाग के अधिकारी को जो जिम्मेदारी सौंपी है उस जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करें। ये निर्देश कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने नवीन जिला पंचायत के सभागार में बैठक के दौरान दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तरूण भटनागर, अपर कलेक्टर श्री एस के मिश्रा, आयुक्त नगर निगम श्री अमर सत्य गुप्ता सहित पीडब्ल्यूडी, शिक्षा, आरटीओ, महिला बाल विकास आदि अन्य विभागों के अधिकारी सम्मिलित थे। कलेक्टर ने कहा कि कानून व्यवस्था एवं ट्रेफिक व पार्किंग, हेलीपेड, साफसफाई के लिये अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा आयुक्त नगर निगम एवं नगरीय निकायों के सीएमओ सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर तैयारियां बैठक व्यवस्था के लिये संबंधित एसडीएम, कार्यक्रम में नक्शा ले आउट, बैरिकेटिंग आदि व्यवस्था के लिये कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण विभाग सुनिश्चित करायेंगे। सभी कार्यक्रमों के लिये वाहन व्यवस्था, क्रेन, रूट, पुराने वाहन हटाने आदि की जिम्मेदारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, विद्युत जनरेटर आदि का प्रबंध अधीक्षण यंत्री मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी मुरैना करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिये कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं नगरीय निकाय व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम स्थलों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की स्वास्थ्य टीम, एम्बूलेंस आदि व्यवस्थायें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन करेंगे। मिनिट टू मिनिट कार्यक्रम जिला शिक्षाधिकारी, स्वल्पाहर जिला योजना अधिकारी, डीपीसी, बीआरसी, फूलमाला रंगोली की व्यवस्थायें प्राचार्य गर्ल्स कॉलेज मुरैना द्वारा की जायेंगी। समस्त विभागों के निर्माण कार्यों की शिलापटिटका लोकार्पण कराने के लिये पीआईयू सुनिश्चित करायेंगे। इसके साथ ही प्रचार प्रसार, मीडिया आदि कार्य जनसपंर्क विभाग द्वारा कराया जायेगा। टैंट, लाइट, माइक कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा कार्यक्रम के आमंत्रण पत्र एपीओ जिला पंचायत, फ्यूल व्यवस्था जिला आबकारी अधिकारी द्वारा सुनिश्चित की जायेगी। कार्यक्रम स्थलों पर महिलाओं की व्यवस्था जिला महिला बाल विकास अधिकारी, मंच सजावट व्यवस्था कृषि विभाग, वीआईपी आगंतुकों के लिये व्यवस्था जिला आपूर्ति अधिकारी, जन समस्या निवारण शिकायती आवेदनों को कम्प्यूटरों में ऑनलाइन फीड करने ई गवर्नेंस सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि अधिकारी सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन कर बुधवार तक अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम में भव्यता बनी रहे इसके लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तरूण भटनागर संपूर्ण कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी रहेंगे।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने हेलीपैड व सभा स्थल का लिया जायजा

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 10 सितंबर गुरुवार को जनसभा के लिए पोरसा में पधार रहे हैं उनकी तैयारियों को लेकर कलेक्टर महोदय अनुराग वर्मा पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया एडिशनल एसपी हंसराज सिंह एसडीएम अंबाह राजीव समाधिया एसडीओपी अंबाह अवनीश बंसल तहसीलदार अंबाह सर्वेश यादव तहसीलदार पोरसा राजकुमार नागोरिया भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता जनपद सीईओ रामपाल करजरे थाना प्रभारी पोरसा अतुल सिंह डॉक्टर पीपी शर्मा बीएमओ मुख्य नगरपालिका अधिकारी एलएन करोलिया आदि शासकीय कर्मचारी पोरसा के हेलीपैड एवं सभा स्थल गल्ला मंडी पोरसा पहुंचकर जायजा लिया एवं कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था साफ सफाई वॉटर प्रूफ पांडाल पार्किंग मंच व्यवस्था आदि को लेकर दिशा निर्देश दिए

सामाजिक न्याय विभाग द्वारा 1 लाख 60 हजार 596 लोंगों को 14 करोड़ रूपये से अधिक की राशि उनके खातों में जमा कराई

मुरैना। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा चंबल संभाग के 1 लाख 60 हजार 596 लोंगो को विभिन्न विभागीय योजनाओं में 14 करोड़ 5 लाख 27 हजार रूपये से अधिक की राशि उनके खातों में जमा कराई गई है। सामाजिक न्याय विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक के दौरान चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने यह जानकारी देते हुये अधिकारियों को निर्देश दिये कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, राष्ट्रीय विधवा पेंशन, राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना जैसी अन्य कई योजनाओं में आवेदकों के आवेदन पत्र लम्बित नहीं होना चाहिये। जनपद पंचायत स्तर पर प्रकरणों की समीक्षा कर इनमें तत्काल स्वीकृतियां जारी करायें, किसी भी स्तर पर जरूरतमंद हितग्राहियों के प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिये। अगर आवेदन पत्र में कहीं कोई कमी है तो हितग्राही को तत्काल सूचना देकर उसकी पूर्ति कराई जाये। संभागीय समीक्षा के दौरान बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष के दौरान मुरैना जिले के 65 हजार 315 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में 4 करोड़ 86 लाख 27 हजार रूपये उनके खातों में डाले गये है। इसी प्रकार भिण्ड जिले में 58 हजार 977 हितग्राहियों के खातों में 7 करोड़ 1 लाख 18 हजार रूपये और श्योपुर जिले में 35 हजार 304 हितग्राहियों के खातों में सामाजिक न्याय की विभिन्न योजनाओं में 2 करोड़ 17 लाख 82 हजार रूपये जमा कराया गया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के मुरैना जिले में 14 हजार 361 हितग्राहियों के खातों में 86 लाख 16 हजार रूपये, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के 34 हजार 105 हितग्राहियों के खातों में 2 करोड़ 4 लाख 63 हजार रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन के 1 हजार 713 हितग्राहियों को 10 लाख 27 हजार रूपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 14 हजार 231 हितग्राहियों के खातों में 85 लाख 38 हजार रूपये जमा कराये है।

चंबल संभाग में 66 गौशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण

चंबल संभाग में 100 गौशालाओं का निर्माण किया जाना है। इनमें से 99 गौशालाओं के निर्माण कार्य स्वीकृत किये गये है, स्वीकृत गौशालाओं में से 66 गौशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। 33 गौशालाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। चंबल संभाग के मुरैना जिले में स्वीकृत 29 गौशालाओं के निर्माण कार्यो में से 20 गौशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी प्रकार भिण्ड जिले में स्वीकृत 54 गौशालाओं में से 30 और श्योपुर जिले में स्वीकृत 16 गौशालाओं में से 16 का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि पूर्ण हुई गौशालाओं का संचालन ऐसे हाथों में सौंपा जाये, जिससे गौशालायें स्वयं के लिये आर्थिक स्त्रोत वन जाये। कमिश्नर ने सुझाव दिया कि गौशालाओं का संचालन स्वयं सहायता समूहों को दिया जाये। जिसमें वे गौबर का सदुपयोग करें, गौबर गैस संयंत्र लगाये, जेविक खाद्य वर्मी कम्पोस्ट आदि बनाये। गौबर से लकड़ी का उत्पादन करें। गौ-मूत्र से दवाईयां का उत्पादन करें। कमिश्नर ने कहा कि अब गौशालाओं में 40 प्रतिशत दुधारू पशु रखने के भी निर्देश है। दुधारू पशुओं के दूध को बेचकर गौशालायें आर्थिक रूप से संपन्न हो सकती है। वे स्वयं के खर्चे के लिये मोहताज नहीं होगी।

डिप्टी कलेक्टर सहित 4 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

चंबल कमिश्नर श्री आर के मिश्रा ने डिप्टी कलेक्टर सहित 4 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये हैं। नोटिस में डिप्टी कलेक्टर श्री सुरेश बरहादिया जिला अक्षय उर्जा अधिकारी श्योपुर श्री बीपीएस भदौरिया मध्यप्रदेश मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भिण्ड के महाप्रबंधक डॉ एके शर्मा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी भिण्ड के कार्यपालन यंत्री श्री संतोष कुमार जाटव द्वारा शासकीय कार्य के प्रति कोई रूचि न लेना एवं कार्यालय में लंबे समय से लंबित फाइलों को निराकृत नहीं करना यह सब शासकीय पदीय कर्तव्यों के प्रति ठीक नहीं है। इन सब आरोपों को मानते हुये चंबल कमिश्नर श्री मिश्रा ने डिप्टी कलेक्टर श्री बरहादिया सहित जिला अक्षय उर्जा अधिकारी श्योपुर श्री भदौरिया, मध्यप्रदेश मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भिण्ड के महाप्रबंधक डॉ श्री शर्मा और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी भिण्ड के कार्यपालन यंत्री श्री जाटव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस का जवाब 15 दिवस के अंदर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करें : मंत्री कंषाना

मुरैना। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने दतेहरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना का कार्य समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ किए जाने के निर्देश पीएचई अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाने से जहाँ आम जनता को योजना का लाभ मिल जाता है वहीं निर्धारित लागत में कार्य होने से सरकार के धन की बचत भी होती है। मुरैना जिले के कोतवाल डैम (जल स्त्रोत) से 22 ग्रामों में घरेलू नल कनेक्शन से पेयजल उपलब्ध कराने की इस योजना की लागत 32.24 करोड़ रूपये है। दतेहरा ग्रामीण समूल जल प्रदाय योजना से 45 हजार से अधिक आबादी को 7 हजार 460 घरेलू नल कनेक्शन से शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकेगा। योजना का कार्य प्रगति पर है और इसे पूर्ण करने का लक्ष्य 31 मार्च 2021 निर्धारित किया गया है। योजना से लाभान्वित होने वाले ग्रामों में मिरघान, छिछावली, दतेहरा, परीक्षा, ढूगरपुर, अजनौदा, सुजानपुर, खैरिया कलां, काजी बसइंया, नागरा, कोतवाल, बिछोला, बमरौली, मदन बसई, गिरगौथ, बिरतोली, बरेंदा, खैरा, नरसिंहपुर, माता बसईया, भिकोलाकापुर एवं भातपुर शामिल हैं।

दतेहरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना से 22 ग्रामों को मिलेगा पेयजल

अम्बाह पुलिस द्वारा चोरी की 05 मोटर साईकिल साहित आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाह। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देश पर जिले भर में चोरी की घटनाओं पर लगाम कसने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अंबाह थाना पुलिस ने आरोपी सन्दीप सिंह लोधी पुत्र नरसिंहं लोधी उम्र 22 साल निवासी परदू का पुरा थाना पोरसा के कब्जे से लाल रंग की बजाज प्लेटीना मोटर साइकिल, एच.एफ. डीलक्स पल्सर स्पलेंडर काले रंग की धारा 4114102 जाफर. 379 ताहि मे जमा किया तथा, मोटर साइकिल हीरो एच.एफ. डीलक्स हरे रंग की अपराध क्र. 601/20 धारा 379 नाहि में जप्त किया तथा आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेस किया गया उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नि. शैलेन्द्र गोविल, उनि शिवम सिहं चीहान , आर. 716 पुष्पेन्द्र भदौरिया , आर. 339 सतेन्द्र गुर्जर ,आर.1049 नरेन्द्र मौर्य , आर. 543 दीपक पीरी आर. 426 आनन्द शार्मा आर.707 महेश शर्मा की सराहनीय भूमिका रही ।

विभिन्न विभागों की संभागीय समीक्षा बैठक आज

मुरैना। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा प्रतिमाह के द्वितीय बुधवार को विभिन्न विभागों की संभागीय समीक्षा करते हैं। इस माह के द्वितीय बुधवार 9 सितंबर 2020 को विभिन्न विभागों की संभागीय समीक्षा बैठक लेंगे। प्रथम चरण की बैठक 9 सितंबर को पूर्वान्ह 11 बजे से चंबल भवन के सभाकक्ष में आयोजित होगी, इस बैठक में महिला बाल विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन, आदिम जाति और अनुसूचित जाति कल्याण, स्कूल शिक्षा और राज्य शिक्षा केन्द्र के शाला भवनों के निर्माण की संभागीय समीक्षा बैठक कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा ली जायेगी। इस बैठक के पश्चात् दोपहर 2.30 बजे से पंचायत एवं ग्रामीण विकास राजीव गांधी जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन, योजना आर्थिक और सांख्यिकी, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण, श्रम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की समीक्षा की जायेगी।

आज विद्युत बंद रहेगी

मुरैना। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. के उपमहाप्रबंधक ने बताया कि 9 सितंबर को सुबह 8 बजे से 11 बजे तक 11 केव्ही रविदास नगर फीडर से विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। इसका समय आवश्यकतानुसार घटाया बढ़ाया जा सकता है।

31 करोड़ रूपये के ऋण हुये वितरित

चंबल संभाग में किसानों को 82 करोड़ रूपये का ऋण वितरण का लक्ष्य

मुरैना। चालू खरीफ फसल अभियान के तहत इस वर्ष चंबल संभाग के किसानों को सहकारी बैंक के माध्यम से 82 करोड़ रूपये का ऋण वितरण लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संभाग में पिछ्ले माह 31 करोड़ 11 लाख रूपये के ऋण वितरित किये गये हैं। पिछ्ले खरीफ फसल 2019 में चंबल संभाग में 44.62 करोड़ रूपये का सहकारी बैंको से ऋण वितरित किया गया था। जिसे इस वर्ष 37 करोड़ 38 लाख बढ़ाकर लक्ष्य निर्धारित किया है। सहकारिता विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक के दौरान चंबल संभाग के कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि चालू खरीफ फसल के दौरान सहकारी बैंको से चंबल संभाग के किसानों को 82 करोड़ रूपये के ऋण देने का लक्ष्य प्रस्तावित किया है, इसमें से अभी तक 31 करोड़ 11 लाख रूपये के ऋण संभाग के तीनों जिलों में वितरण हुआ है। प्रस्तावित लक्ष्य के अनुसार चंबल संभाग में सर्वाधिक 36 करोड़ रूपये का ऋण भिण्ड जिले में किसानों को वितरित किया जायेगा। मुरैना जिले में 13 करोड़ और श्योपुर जिले में 33 करोड़ रूपये के ऋण सहकारी बैंको के माध्यम से किसानों को वितरित होगा। अभी तक भिण्ड जिले में 6.56 करोड़ मुरैना में 1.49 करोड़ और श्योपुर जिले में 6.47 करोड़ रूपये के ऋण वितरित किये गये है। बैंक की वित्तीय स्थिति की समीक्षा में बताया गया कि 55 करोड़ 71 लाख रूपये बैंक स्वयं के संसाधन से ऋण वितरण करेगी, 7 करोड़ रूपये अपेक्स बैंक से और 19 करोड़ 29 लाख रूपये नावार्ड से ऋण के रूप में किसानों को वितरित होंगे।

वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से 26 सितम्बर को स्थायी एवं निरन्तर लोक अदालत का आयोजन

मुरैना। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं माननीय श्री सुबोध कुमार जैन जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय मुरैना एवं तहसील न्यायालय अम्बाह, जौरा और सबलगढ में कोविड नियमें का पालन करते हुए ऑनलाइन वीडियों कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से दिनांक 26 सितम्बर 2020 को स्थायी एवं निरन्तर लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। 26 सितम्बर 2020 को जिला मुख्यालय मुरैना एवं तहसील न्यायालय अम्बाह, जौरा, सबलगढ़ आयोजित होने वाली ऑनलाईन स्थाई एवं निरन्तर लोक अदालत में ऐसे मोटर क्लेम के प्रकरण जिनमें बीमा कंपनियॉ एवं दावाकर्ता राजीनामा के लिए तैयार है, आपराधिक शमनीय प्रकरण, परक्राम्य अधिनियम की धारा 138, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, विद्युत संबंधी प्रकरण, वैवाहिक विवाद के प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। उक्त लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों के हेतु वीडियों कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से श्री प्रदीप कुमार सोनी सप्तम अपर जिला न्यायाधीश एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ ऑनलाईन बैठक ली गई जिसमें प्रकरणों के ऑनलाईन रखे जाने हेतु कहा गया। जो पक्षकार इस ऑनलाइन स्थायी एवं निरन्तर लोक अदालत के माध्यम से अपने प्रकरणों का निराकरण कराना चाहता है, वे अधिवक्तागण से संपर्क स्थापित कर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना ने रामवरन को फ्लाईस ईंट उद्योग मालिक बनाया

मुरैना। व्यक्ति अगर मन में ठान ले कि उसे इस काम में सफलता हासिल करना है तो उसे सफलता जरूर मिलती है। सफलता को रोकने में कहीं कोई आड़े नहीं आता। ऐसी ही ललक हिगौना निवासी रामवरन की थी। उसने यह ठान लिया था कि उसे स्वयं का उद्योग लगाना है। इसके लिये उसने श्रम परिश्रम एवं मेहनत की और अपना ईंट उद्योग लगाने में सफल हो गया। यह उद्योग रामवरन सिंह जाटव ने खादी ग्रामोद्योग की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना से 25 लाख रूपये ऋण लेकर लगाया। मुरैना विकासखण्ड के ग्राम हिंगौना खुर्द निवासी रामवरन जाटव शिक्षित होकर भी बेरोजगार था, क्योंकि पिताजी के पास इतनी जमीन ज्यादात नहीं थी कि वह एक अच्छा सा व्यवसाय या जीविकोपार्जन के लिये रोजगार खोल सके। रामवरन स्वयं तीन भाई है। जिसमें पिताजी के पास मात्र ढ़ाई बीघा जमीन थी। जिससे पूरे परिवार का खर्च चलाना तीनों भाईयों के लिये मुसीबत बनता जा रहा था। चूंकि रामवरन का बड़ा भाई सरपंच था, सरपंची के कार्य से एक बार दिल्ली गया हुआ था, दिल्ली के रास्ते फ्लाईस ईंट उद्योग निर्माण को देखने के लिये मैं भी भाई के साथ गया था। लौटते समय मेरे मन में फ्लाईस ईंट उद्योग लगाने की बात आई, किन्तु पैसा पास नहीं था तो निराश होकर घर बैठ जाता था। मन ही मन अपने नसीब को कोसता था, कि आज हमारे पास भी पैसा होता तो फ्लाईस ईंट उद्योग मालिक हम भी होते। एक दिन रामवरन समाचार पत्र पढ़ रहा था, जिसमें खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत 25 लाख रूपये का ऋण लेने का स्तहार प्रकाशित हुआ । रामवरन ने तत्काल खादी ग्रामोद्योग पहुंचकर 25 लाख रूपये का फ्लाईस ईंट उद्योग लगाने का आवेदन प्रस्तुत किया, कुछ समय बाद रामवरन का 23 लाख 75 हजार रूपये का ऋण स्वीकृत हुआ। जिसमें 8 लाख 75 हजार रूपये की सरकार द्वारा सब्सिडी प्रदान की गई। रामवरन का ईंट उद्योग इतनी तेजी से चल निकला कि ईंट उद्योग में तीनों भाई एवं उनके चाचा का लड़का सहित चारों को रोजगार मिलने लगा। इसके साथ ही अन्य चार परिवारों को अपने गांव में ही मजदूरी करने का भी मौका मिला। रामवरन ने बताया कि प्रतिमाह 5 लाख रूपये की फ्लाईस ईंट निर्माण उद्योग से आय हो रही है। जिसमें से प्रतिमाह डेढ़ से 2 लाख रूपये ऋण के रूप में बैंक में जमा कर रहा हूं। मेरे लिये खादी ग्रामोद्योग की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना वरदान साबित हुई है। जिसने हमारे परिवार सहित आस-पडौस के परिवारों को रोजगार से जोड़ दिया है। प्रदेश सरकार का हम धन्यवाद ज्ञापित करते है, जिन्होंने ऐसी योजना हम शिक्षित बेरोजगारों के लिये संचालित की है।

(कहानी सच्ची है)

इंटरनेट और सफरिंग का है जमाना

भले ही भारत की बहुसंख्यक आबादी इंटरनेट से दूर है, बावजूद भारत में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या दस करोड़ से ऊपर हो जाना अपने आप में बड़ा बदलाव है। इतनी तो दुनिया के कई विकसित देशों की आबादी नहीं होगी। दस करोड का यह आंकड़ा भारत की डिजिटल साक्षरता का भी आंकड़ा है यानी इतने लोग कार्य, व्यापार व अन्य जरूरतों के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल करते है।

पिछ्ले तकरीबन एक दशक से भारत को किसी और चीज ने उतना नहीं बदला, जितना इंटरनेट ने बदल दिया है। रही-सही कसर इंटरनेट आधारित फोन यानी स्मार्टफोन ने पूरी कर दी। स्मार्टफोन उपभोक्ताओं के लिहाज से भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। आईटी क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी सिस्को ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2019 तक भारत में स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या लगभग 65 करोड़ हो जाएगी। सिस्को के मुताबिक वर्ष 2014 में मोबाइल डेटा ट्रैफिक 69 प्रतिशत तक बढ़ा। साथ ही वर्ष 2014 में विश्व में मोबाइल उपकरणों एवं कनेक्शनों की संख्या बढ़कर 7.4 बिलियन तक पहुंच गई। स्मार्टफोन की इस बढ़त में 88 प्रतिशत हिस्सेदारी रही और उनकी कुल संख्या बढ़कर 439 मिलियन हो गई। इंटरनेट मुख्यत-कंप्यूटर आधारित तकनीक रही है, पर स्मार्टफोन के आगमन के साथ ही यह धारणा तेजी से खत्म होने लग गई। जिस तेजी से मोबाइल पर इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ रहा है, वह साफ इशारा है कि भविष्य में इंटरनेट आधारित सेवाएं कंप्यूटर नहीं बल्कि मोबाइल को ध्यान में रखकर उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रमुख ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट मायंत्रा ने घोषणा कर दी है कि भविष्य में ऑनलाइन शॉपिंग सिर्फ उसके मोबाइल एप से ही की जा सकेगी, न की वेबसाइट से। साफ है कि भविष्य की इंटरनेट तकनीक एप आधारित होगी जिसके केंद्र में होगा मोबाइल इंटरनेट। विश्व के सबसे अधिक लोकप्रिय सर्च इंजन गूगल ने मोबाइल इंटरनेट की इस बढ़ती ताकत को ध्यान में रखते हुए अपने खोज परिणामों में परिवर्तन करना शुरू कर दिया है। इसका मकसद मोबाइल से आने वाले खोज अनुरोधों में उन वेबसाइटों को प्राथमिकता देने का है जो कि मोबाइल उपकरणों के लिहाज से उपयुक्त हैं। यानी ऐसी वेबसाइट जो बड़े भारीभरकम शब्दों, भारी सॉफ्टवेयर जैसे फ्लैश आदि का इस्तेमाल नहीं करती हैं, वे खोज परिणामों में पहले दिखेंगी और वे वेबसाइट जिनका आकार मोबाइल के स्क्रीन के आकार के लिहाज से अनुपयुक्त है, वे सर्च परिणामों में काफी बाद में आएंगीं। इस बदलाव से कई वेबसाइटों का वरीयता क्रम बदल जाएगा। फोररेस्टर रिसर्च संस्था की एक रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार 1000 से अधिक कर्मचारियों वाले 38 प्रतिशत से

भी अधिक संगठनों की वेबसाइटें गूगल के नए मानकों पर खरी नहीं उतरती हैं। अब या तो लोग अपनी वेबसाइटों को मोबाइल उपकरणों के अनुसार बनाएं, अन्यथा खोज परिणामों में पीछे छूट जाने के लिए तैयार रहें। विश्वभर के स्मार्टफोन उपभोक्ताओं में से 89 प्रतिशत इंटरनेट पर कुछ भी खोजने के लिए गूगल सर्च इंजन का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इस नए तरीके के लागू होने से मोबाइल द्वारा इंटरनेट इस्तेमाल करने में काफी सुविधा हो जाएगी। माना यह जा रहा है कि इस रणनीति से गूगल की आमदनी में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है, क्योंकि यदि उपभोक्ताओं को मोबाइल पर वेबसाइटों को देखने में आसानी होगी तो उनकी विज्ञापन देखने की भी संभावना भी अधिक हो जाएगी।इस नए बदलाव के साथ गूगल मोबाइल इंटरनेट के माध्यम से होने वाली उसकी आय में पिछ्ले कुछ समय में जो गिरावट आई है उसे थामना चाहता है और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मोबाइल इंटरनेट से जोड़ना चाहता है। भारत के लिए यह रास्ता महत्वपूर्ण इसलिए हो सकता है क्योंकि मोबाइल हैंडसेट अकेला ऐसा माध्यम है जिससे देश की आबादी के एक बड़े हिस्से तक पहुंचा जा सकता है। उदारीकरण के पश्चात देश में एक नए मध्यम वर्ग का विकास हुआ जिसने उपभोक्ता वस्तुओं की मांग को प्रेरित किया। इसका परिणाम सूचना प्रौद्योगिकी में इस वर्ग के हावी हो जाने के रूप में भी सामने आया। देश की शेष सत्तर प्रतिशत जनसंख्या न तो इस प्रक्रिया का लाभ उठा पा रही है और न ही सहभागिता कर पा रही है। भारत जैसे देश में जहां मोबाइल इंटरनेट का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ा है, यह रुझान भविष्य में तकनीकी विभाजन को पाटने में बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। पर हमें इस तय को भी नहीं भूलना चाहिए कि यहां इंटरनेट की आधारभूत संरचना विकसित देशों के मुकाबले काफी पिछड़ी है और इंटरनेट के बाजारीकरण की कोशिशें जारी हैं। ऐसे में सरकार का डिजिटल इंडिया बनाने का यह प्रयास आम उपभोक्ताओं के इंटरनेट सर्फिंग समय को कितना सुहाना बनाएगा, इसका फैसला अभी होना है। फिर कड़वी सचाई यह भी है कि तकनीक के इस डिजिटल युग में हम अब भी रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत समस्याओं के उन्मूलन में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गौरतलब है कि सूचना तकनीक का इस्तेमाल मानव संसाधन की बेहतरी के लिए बहुत बड़ा प्रभाव छोड़ने में असफल रहा है। इसकी एक मिसाल भ्रष्टाचार उन्मूलन के मोर्चे पर मिलती है। माना जाता रहा है कि इंटरनेट का इस्तेमाल सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाएगा और इसके जरिए भ्रष्टाचार पर लगाम कसी जा सकेगी। पर ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की नई रिपोर्ट हमारी आंखें खोल देती है जिसमें भारत को 176 देशों में भ्रष्टाचार के मामले में 94 पायदान पर रखा गया है।

महक उठे बाथरूम

- शॉवर रूम में पर्दे बदलने से बाथरूम के नए लुक की शुरुआत करें। इसके लिए आपको नए पर्दे खरीदने की जरूरत नहीं है, बल्कि किसी पुराने दुपट्टे या सिल्क की साड़ी की पर्दे की शेप देकर टांग सकती हैं। मैचिंग लुक के लिए शॉवर रूम के फ्लोर मैट के किनारे पर इसी कपड़े से बॉर्डर तैयार करें।
- रूम को आकर्षक लुक देने के लिए वहाँ फैमिली फोटोग्राफ भी रख सकते हैं।
- अलग-अलग साइज और शेप के ग्लास जार लाएँ। इनमें रंगीन पत्थर, सुगंधित तेल और फूलों की पत्तियाँ डाल दें। इन जार को बाथ टब या शॉवर केबिन के आसपास रखें। खूबसूरती और बढ़ाने के लिए इन लाइट भी फोकस कर सकते हैं।

- किसी ग्लास बाउल में ताजा गुलाब की पंखुड़ियाँ और सुगंधित कैंडल्स जलाकर वॉश बेसिन पर रखें।
- वॉश बेसिन के पास सुगंधित हैंड टॉवल और लिक्विड सोप रखना भी न भूलें।

होंठों को बनाइए सुन्दर

चेहरे के सभी अंगों की अपनी-अपनी विशेषताएं हैं किन्तु होंठों का इनमें विशेष स्थान है। ये चेहरे की सुन्दरता के केन्द्र होते हैं। नर्म, कोमल, लालिमायुक्त तथा मध्यम मोटाई लिए सुडौल होंठ चेहरे की सुंदरता को चार चांद लगाते हैं।

सुन्दर चेहरे की कल्पना ही असंभव है। कवियों ने भी इसकी तुलना नई कोंपल एवं गुलाब की पंखुड़ियों से की है।

जिस प्रकार अच्छे स्वस्थ, सुडौल, लाल होंठ चेहरे की सुन्दरता बढ़ाते हैं, उसी तरह सूखे, पपड़ीले और बेढंगे होंठ चेहरे की सुन्दरता व आकर्षण घटाते हैं। अपने चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए होंठों को स्वस्थ, सुन्दर, कोमल, सुडौल व सरस बनाना आवश्यक है। जाड़े के दिनों में प्रायः ठंडी हवा समय नींबू, गुलाब जल व ग्लिसरीन का मिश्रण लगाएं। शहद में गाय का शुद्ध घी और गुलाब जल मिला कर होंठों पर लगाने से

होंठ सुन्दर व सुडौल रहते हैं।

यदि होंठ बराबर सूखते हैं तो कभी-कभी मलाई अथवा स्वच्छ दूध को रूई में भिगो कर होंठों पर लगाइए। बहुत-सी महिलाओं के होंठों में झुर्रियां पड़ जाती हैं अतः इसको दूर करने के लिए मक्खन अथवा ग्लिसरीन को होंठों पर फिराने से होंठों का रूखापन समाप्त हो जाता है। नमक और शहद मिला कर लगाने से भी इसमें लाभ मिलता है। होंठों का खुरदरापन अथवा फटना लिपस्टिक लगाने से भी बंद हो जाता है किन्तु ध्यान रखें कि लिपस्टिक लगाने से पूर्व होंठों पर हल्का-सा मक्खन लगा कर पोंछ दें। रात्रि में सोते वक्त नाभि में कुछ दिन नियमित रूप से दो बूंद शुद्ध सरसों का तेल डालने से भी होंठों का सूखना व फटना बंद हो जाता है। कभी-कभी होंठों पर कालापन आ जाता है। गुलाब की पत्तियों को पीस कर होंठों पर लगाने से उसकी कालिमा दूर हो जाती है। लाल गुलाब की पत्तियों को मक्खन के साथ मिला कर होंठों पर लगाने से होंठ काफी मनमोहक बन जाते हैं। मलाईयुक्त दही को थोड़ा गुनगुना कर लगाने से होंठ मुलायम रहते हैं।

अरबी कुरमुरी

सामग्री : ५०० ग्राम अरबी उबली व बीच में चीरा लगी हुई, ६-७ कलियां लहसुन कुटी हुई, ३-४ काली मिर्च, १ बड़ा चम्मच हल्दी पाऊडर, १ छोटा चम्मच अजवाइन, १ बड़ा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, १ बड़ा चम्मच धनिया पाऊडर, १-१ बड़ा चम्मच जीरा व अमचूर पाऊडर, १ १/४ छोटे चम्मच हींग पाऊडर, स्वादानुसार नमक व ३ बड़े चम्मच सरसों तेल।

विधि : पैन में तेल गर्म करें। अरबी तल कर निकाल लें। अजवाइन, काली मिर्च और हींग भूनें। लहसुन डालें। अरबी डाल कर कुछ देर भूनें। धनिया पाऊडर, अमचूर, जीरा पाऊडर, लाल मिर्च पाऊडर मिला कर मध्यम आंच पर पकाएं। काली मिर्च पाऊडर बुरक कर परोसें।

गुणकारी पत्तागोभी

पत्तागोभी अब बारहों महीने प्राप्त की जा सकती है। यह ऐसी हरी सब्जी है जो सलाद में कच्ची खाई जाती है तथा सब्जी बना कर भी। स्वाद में अत्यंत स्वादिष्ट पत्तागोभी को कई प्रकार से खाने योग्य बनाया जा सकता है। यह बहुत कम मूल्य में प्राप्त होने वाली गुणकारी सब्जी है।

आहार विशेषज्ञों के अनुसार पत्तागोभी में सैल्युलोस नामक तत्व होता है जो मानव को स्वस्थ रखने में सहायक है। यह तत्व शरीर से कोलैस्ट्रोल की मात्रा को दूर करता है। पत्तागोभी की मात्रा को दूर करता है। पत्तागोभी मधुमेह रोगियों के लिए विशेष तौर पर लाभप्रद है। यह पित्त, खांसी, रक्तविकार तथा कुष्ठ रोग में तो लाभकारी है ही, मानव को शीघ्र बूढ़ा भी नहीं होने देती।

यह स्वाद में मधुर, शीतल, हल्की, सुपाच्य, हृदय को बल प्रदान करती है।

पेट व आंखों के अल्सर, उदर वायु, आमाशय या यकृत के रोगियों के लिए पत्तागोभी का सेवन वरदान हो सकता है। भूख बढ़ाने के लिए यह

किसी बेहतरीन टॉनिक से कम नहीं है। यह पाचन क्रिया को नियंत्रित करती है व शरीर को रोगों से बचने में सहायक है। सलाद के रूप में कच्ची पत्तागोभी काफी पसंद की जाती है। इसमें संक्रामक रोगों से लड़ने की अपार क्षमता होती है। २०० ग्राम पत्तागोभी में विटामिन सी की उतनी मात्रा होती है जितनी किसी वयस्क के लिए आवश्यक होती है।

हेल्थ पल्स

हकलाहट बच्चों में

हकलाने की समस्या तीन प्रकार की हो सकती है- एक तो यह है कि बच्चा किसी वाक्य का पहला शब्द बोलने पर हकलाता है। दूसरे किस्म की हकलाहट में बच्चे वाक्य बोलते समय पहला शब्द तो ठीक से उच्चारित कर लेते हैं लेकिन बीच में शब्द में अटक जाते हैं और तीसरी स्थिति यह होती है कि जब जबड़े और होंठ तो हिलें पर मुंह से आवाज नहीं निकल पाती। यह स्थिति प्रायः किसी बड़े या अजनबी व्यक्ति से बात करते समय होती है।

हकलाहट लड़के-लड़की किसी को भी हो सकती है लेकिन लड़कियों की तुलना में यह लड़कों में अधिक पाई जाती है। आधे बच्चों का हकलाहट १६ वर्ष की आयु पूर्ण होने तक दूर हो जाती है।

यदि बड़े होने पर भी बच्चों की हकलाहट दूर नहीं होती हो तो इसका असर उनके करियर पर पड़ता है। हकलाने वाले किशोर और युवा वह करियर नहीं चुन पाते जिसमें उन्हें बोलना पड़ता है। वे दूसरों से बात करने में कतराने लगते हैं। समाज की मुख्य धारा से अलग-थलग पड़ जाते हैं।

३-४ साल की उम्र के बाद भी बच्चा तुतलाकर या हकलाकर बोले तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसे गंभीरता से लेते हुए किसी मनोवैज्ञानिक की सलाह लें फिर किसी मशहूर स्पीच थैरेपिस्ट से पूरा परीक्षण कराएं। डाक्टर इस बात की जांच करेगा कि बच्चे में कोई शारीरिक अक्षमता या दोष तो नहीं है। यदि हकलाना वंशानुगत है तो बच्चे के जन्म के बाद जब वह बोलना सीखता है तब उसे अलग परिवेश में रखें जहां कोई हकलाता न हो।

बच्चे को मानसिक तनाव से मुक्त रखने की

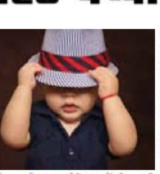

कोशिश करें। उसे बार-बार टोकना या जलील करना ठीक नहीं अपितु उसमें आत्मविश्वास पैदा करें कि वह कोशिश करके सही बोल सकता है।

बच्चों की भाषा विकास और उच्चारण में प्रेरणा का महत्वपूर्ण स्थान है। हकलाने वाले बच्चे यदि शुद्ध बोलने की कोशिश करें तो उनकी तारीफ करनी चाहिए।

यदि बच्चा हकलाता है तो उसे आपके सहयोग की जरूरत है। उसके हकलाने पर उसे मारना-पीटना, सजा देना आदि व्यवहार समस्या को और अधिक उलझा सकते हैं। माता-पिता को धैर्य से काम करना चाहिए।

भय की वजह से बच्चे हकला सकते हैं। यदि किसी छात्र का कक्षा में ध्यान नहीं है और अचानक शिक्षक उससे कोई प्रश्न पूछ लेते हैं तो वह हकलाने लगता है जबकि सामान्यतः वह हकलाता नहीं है।

मानसिक रूप से तनावग्रस्त बच्चे भी हकलाते देखे गए हैं। जब वे तनाव में होते हैं तो चाहकर भी वे सामान्य रूप से बोल नहीं पाते।

हकलाहट वंशानुगत भी हो सकती है। यदि मां या पिता हकलाते हैं तो यह प्रवृत्ति उनके बच्चों में भी आ सकती है। दादा, चाचा, ताऊ, बुआ या नाना, मामा, मौसी आदि में से कोई हकलाता है तो वह अवगुण बच्चों में भी आ सकता है।

हकलाने के लिए स्वर यंत्र में गड़बड़ी होना सबसे बड़ा कारण है। मस्तिष्क में असंतुलन, रक्त में शक्कर या कैल्शियम की ज्यादा मात्रा और प्रोटीन तथा पोटाशियम की कमी होने से भी बच्चे हकलाते हैं। हकलाने वाले को आगे बोलने वाले शब्द के प्रति भ्रम होता है। यदि वह भ्रमित न हो तो बोलने में अटकेगा नहीं।

शहरी जीवन पद्धति मधुमेह की जड

शहरी क्षेत्रों में मधुमेह की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। देश में अढ़ाई करोड़ लोग मधुमेह के शिकार हैं और इसका एक तिहाई युवा वर्ग है। युवा रोगियों को विशेषकर इन्सुलिन की जरूरत होती है। समुचित कीमत पर इन्सुलिन उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के एंडोक्रिनोलाजी विभाग के प्रमुख का कहना है कि शहरी जीवन पद्धति से मधुमेह तेजी से फैल रहा है। इसकी रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि अमरीका के राष्ट्रीय कोलैस्ट्राल शिक्षा कार्यक्रम की तरह भारत में भी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। मधुमेह की रोकथाम के लिए सही भोजन आवश्यक है। डाक्टरों ने इस बात पर जोर दिया कि मधुमेग रोगियों को विश्वस्तरीय व सही दर पर प्रयोगशाला सेवाएं मिलनी चाहिए ताकि रोग पर काबू रखा जा सके। यह तभी संभव है जब कानूनी व वैधानिक तौर पर प्रयोगशाला सेवाओं की गुणवत्ता पर नजर रखी जाए।

कुछ उपयोगी टिप्स

- बवासीर के रोगियों को आहार में जिमीकंद का प्रयोग करना चाहिए।
- गैस बनने व खांसी की समस्या का समाधान करने के साथ लहसुन शरीर में कॉलेस्ट्रोल के स्तर को घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- अजवायन का प्रयोग आमाशय में गैस को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चबाकर खाओ वजन घटाओ

आपके माता-पिता, दादा-दादी बार-बार आपको कहते हैं कि अपने भोजन को चबाकर खाना चाहिए। लेकिन आप है कि व्यस्तता, जल्दबाजी और भागदौड़ भरी जिंदगी में भोजन को चबाना तो दूर उसे सिर्फ मुंह में डाला और गटक गए की तर्ज पर खा रहे हैं। इससे आपके दांतों का काम आंतों को करना पड़ता है और मुंह की लार से जो पाचक एंजाइम भोजन के पाचन में उपयोग होने चाहिए वो आपको नहीं मिल पाते हैं। इसका परिणाम आपके शरीर में बढ़ते मोटापे के रूप में नजर आने लगता है।

आयुर्वेद में तो हजारों वर्षों से कहा जा रहा है कि भोजन के हरेक कोर को धीरे-धीरे अच्छी तरह चबाकर खाना चाहिए। 'तन्मनाभुंजीत' अर्थात भोजन करते समय सिर्फ भोजन करने में ही ध्यान रखना चाहिए। भोजन में आंतरिक द्रव्य (पाचक रस) यदि अच्छी तरह विश्लेषण कर पचाते हैं। ऐसा तभी हो सकता है जब आप अपने भोजन के हरेक कोर को भली प्रकार चबाकर खाएं। ऐसा करना डाइजेशन के लिए फायदेमंद है और इसका सीधा संबंध अच्छे स्वास्थ्य से भी है। महिलाएं या पुरुष धीरे-धीरे चबाकर भोजन करते हैं वे स्वस्थ और तंदुरुस्त होते हैं तथा मोटापे से दूर रहते हैं।

जीवन में कई आनंद हैं उनमें सुस्वादु भोजन खाने का आनंद भी एक है। हमारे मुंह में ही स्वाद ग्रंथियां होती हैं, यदि हम भोजन धीरे-धीरे और चबाकर खाएंगे, तो हमें भोजन स्वादिष्ट लगेगा और हमें तृप्ति मिलेगी तथा आनंद की अनुभूति होगी। हम जल्दबाजी, हड़बड़ाहट में बिना चबाए भोजन खाएंगे, तो मुंह की लार में उपस्थित एंजाइम

(एमाइलेज) कार्बोहाइड्रेट को पचाने का काम नहीं कर पाएगा। भोजन के बड़े-बड़े टुकड़े आमाशय में पहुंच जाएंगे, जहां एंजाइम पेप्सिन और हाइड्रोक्लोराइड अम्ल भोजन पर ठीक से लग नहीं पाएंगे। आमाशय की गतिशीलता बढ़ जाएगी और पेट में दर्द हो सकता है। छोटी आंत में बड़े-बड़े टुकड़े आएंगे तो उसका पाचन ठीक तरह से नही हो पाएगा और भोजन बिना हजम हुए मलद्वार से बाहर निकल जाएगा।

यदि चबा-चबाकर भोजन खाएंगे तो अपनी खुराक से ज्यादा नहीं खा पाएंगे और मोटापे से भी बच जाएंगे। अच्छी तरह चबाकर भोजन करने से आपको भोजन के सही स्वाद का सच्चा आनंद भी प्राप्त होगा। क्या आप जानते हैं कि हमारा पेट मस्तिष्क में पेट भरने का संदेश न्यूरोट्रांसमीटर्स के जरिए भेजता है। इस प्रक्रिया में लगभग २० मिनट का समय लगता है। इसका मतलब यह है कि आपको भर पेट भोजन की तृप्ति का एहसास, आपके पेट भरने के बहुत बाद में पता चलता है। तभी आप अपनी खुराक से ज्यादा खा जाते हैं और आपका वजन बढ़ जाता है।

ऐसे में क्या करें

यदि आप अपनी भूख पर कंट्रोल नहीं कर सकते लेकिन अपना वजन घटाना चाहते हैं, तो अपने भोजन की शुरूआत गाढ़े वेजीटेबल सूप से करें। इसके बाद आप खूब सलाद खाएं। इससे आपको फाइबर की मात्रा भरपूर मिलेगी, जिससे आपको पेट भरने का एहसास जल्दी होगा। सलाद से आपको भोजन को अच्छी तरह चबाने की आदत हो जाएगी और आप ज्यादा नहीं खा पाएंगे।

अपने आहार में सलाद और फलों की मात्रा न केवल आपकी कमर की मोटाई को नियंत्रित करने में भी मदद करेगी, अपितु आपके दांतों और मसूढ़ों की एक्सरसाइज भी अच्छी तरह हो जाएगी।

- प्रोसेस्ड भोजन के स्थान पर संपूर्ण भोजन लें।
- भोजन करते समय कम्प्यूटर पर काम नहीं करें ना ही टेलीविजन देखते हुए भोजन करें।

स्वास्थ्य के दुश्मन हैं पेट के कीड़े

किसी के भी पेट में कीड़े हो सकते हैं। ये विशेषकर बच्चों को अधिक परेशान करते हैं। जिसके पेट में कीड़े होते हैं उसका स्वास्थ्य नहीं बन पाता। खुराक का एक बड़ा हिस्सा तो कीड़े ही चट कर जाते हैं। यहां प्रस्तुत है पेट के कीड़ों से छुटकारा पाने के कुछ उपाय-

- अजवायन पीस लें। बराबर मात्रा में गुड़ लें। दोनों को मिलाकर सफेद चने के समान गोलियां बनाकर दिन में ४ बार बच्चे को खिलाएं। कीड़े मर जाएंगे।
- एक छोटी कटोरी छाछ या मट्ठा लें। इसमें खूब बारीक पिसी अजवायन २ चुटकी डालें। इसे बच्चे को पिला दें। इसे ३ दिन देते रहें।
- यदि पेट में केंचुए हों तो आधा चम्मच नमक एक कटोरी पानी में घोल कर पी जाएं। ३ दिनों तक रोजाना लें।
- खाली पेट गुड़ खाकर अजवायन खाने से भी पेट के कीड़े मर कर निकल जाते हैं।
- पेट के कीड़े खत्म करने में सहजने और वायबिडिंग का काढ़ा आराम देता है।
- वायबिडिंग तथा नारंगी के सूखे छिलके, समान मात्रा में लें। इन्हें कूट-पीस कर चूर्ण बनाएं एक-चौथाई छोटा चम्मच बच्चों को तथा आधा चम्मच बड़ों को गर्म पानी के साथ दें। कीड़े नष्ट होंगे।
- सुपारी का चूर्ण एक छोटा चम्मच दूध के साथ खिला दें। इसे आप मक्खन में मिलाकर भी खिला सकते हैं। पेट साफ हो जाएगा।

एम्स्टर्डम में नीदरलैंड और इटली के बीच जोहान क्रूजीफ एरेना में लीग फुटबॉल मैच के दौरान अपना पहला गोल करते इटली के निकोलो बरेला।

एडिलेड या ब्रिस्बेन से शुरु हो सकता है भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम का इस साल के अंत में होने वाला ऑस्ट्रेलिया दौरा पर्थ की जगह एडिलेड या ब्रिस्बेन से शुरू होना तय है क्योंकि कोरोना महामारी के खतरे को देखते हुए यहां के प्रशासन ने पृथकवास के नियमों में किसी तरह की राहत देने से इंकार कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में एडिलेड ओवल भारत के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैचों की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इनमें दिन रात्रि का टेस्ट मैच भी शामिल है। इसके अलावा अगर विक्टोरिया में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) बॉक्सिंग डे टेस्ट का आयोजन नहीं कर पाता है तो इसकी मेजबानी भी एडिलेड को मिल सकती है। भारत और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने के बाद सीधे यहां पहुंचेंगे। वहीं क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) की शुरुआती योजना के अनुसार इंग्लैंड के दौरे पर गई ऑस्ट्रेलियाई टीम और भारतीय टीम को पहले पर्थ में प्रवेश करना था। शृंखला से पहले दोनों टीमों को पृथकवास के नियमों में ढिलायी के बीच पर्थ में अभ्यास करना था। दूसरी ओर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सीए से पृथकवास के दौरान जैव सुरक्षित वातावरण में अभ्यास की अनुमति देने का आग्रह किया है जो पर्थ में संभव नहीं है। भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा सीमित ओवरों की शृंखला (टी20) से शुरू हो सकता है जिसके बाद चार टेस्ट मैचों की शृंखला खेली जाएगी।

टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतना है लक्ष्य : नेहा

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर नेहा गोयल ने कहा है भारतीय टीम का लक्ष्य टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतना है। इसलिए टीम पिछले साल की तरह ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती रहेगी। नेहा ने कहा, 'इस समय हमारा ध्यान केवल ओलंपिक पर है। इसी कारण हम पिछले कुछ महीनों से अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अगले कुछ महीनों में अपने खेल को और बेहतर करने का प्रयास करेंगे।% इस युवा खिलाड़ी ने कहा, 'हाल के वर्षों में हमने शीर्ष टीमों के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया है जिससे ओलंपिक में पदक जीतने का हमारा भरोसा बढ़ा है। हमारा आखिरी लक्ष्य यही है।% नेहा अभी भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरु केन्द्र में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल है। इस दौरान नेहा ने कहा कि हॉकी में करियर बनाने के लिए उन्हें बचपन से ही काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह वास्तव में कठिन था। जब मैं पांचवीं कक्षा में थी, तब मैंने हॉकी खेलना शुरू किया था। मेरी मां हमें पर्याप्त भोजन करने के लिए दिन-रात मेहनत करती थी। ऐसे में मेरे उपकरणों के लिए कुछ पैसे बचाना बहुत मुश्किल था।%भारत की पूर्व कप्तान प्रीतम रानी सिवाच से प्रेरित रही नेहा ने कहा, 'बचपन में अखबार में उनकी तस्वीर देखकर मैं स्थानीय मैदान में उनका खेल देखने जाती थी। उन्होंने मुझ से एक दिन मैदान आने का कारण पूछा तब मैंने कहा कि मैं भी खेलना चाहती हूं।% साथ ही कहा कि मेरे माता-पिता मेरे लिए हॉकी का सामान नहीं खरीद सकते थे तब प्रीतम दीदी ने मुझे सामान उपलब्ध कराया और मुझे अपने खेल में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं उसके समर्थन के कारण ही आज यहां तक पहुंची हूं।

युवा दर्शकों को आकर्षित करने कड़ी मेहनत करें एथलीट : सेबेस्टियन

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने ट्रैक और फील्ड से जुड़े खिलाड़ियों से कहा है कि युवा दर्शकों को आकर्षित करने के लिये उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। सेबेस्टियन ने एक आनलाइन सेमिनार में कहा कि खेल में दर्शकों की रूचि बनाये रखनी होगी। उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि युवा दर्शकों को सूचनायें आकर्षक तरीके से देना जरूरी है चाहे वे अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बैठे हों या घास के ट्रैक के पास।'' उन्होंने कहा ,'' उन्हें खेल देखने में आनंद आना चाहिये अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह किसी और दिशा में चले जाएंगे।''हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य बने सेबेस्टियन ने कहा कि खेल सिर्फ प्रतिभाओं तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा ,''यह भी देखा जाना चाहिये कि उसे दर्शकों के सामने कैसे पेश किया जा रहा है। यही वजह है कि यह सेमिनार काफी महत्वपूर्ण है।'' वहीं भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने कहा ,'' एएफआई कोरोना वायरस महामारी को लेकर ताजा जानकारी मुहैया कराता आया है। यह सभी स्तरों पर दर्शकों को खेल देखने का बेहतरीन अनुभव देने के हमारे मिशन का ही एक हिस्सा है।''

वार्न से गेंदबाजी में मिली सहायता : कुलदीप

मुंबई। टीम इंडिया के चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव आस्ट्रेलिया के पूर्व लेग स्पिनर शेन वार्न को अपना आदर्श मानते हैं। कुलदीप ने कहा कि वार्न ने उन्हें कई तरह से सहायता की है। कुलदीप ने साल 2017 में पुणे में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेला था और तभी उनकी वार्न से मुलाकात हुई थी। कुलदीप ने कहा, मैं पुणे में एक टेस्ट मैच के दौरान शेन वार्न से मिला था। जब मैं उनसे पहली बार मिला था, उस समय अनिल कुंबले हमारे कोच थे और मैंने अपने कोच से कहा था कि मैं वार्न से मिलना चाहता हूं। कुलदीप ने कहा, जब मैं वार्न से मिला तो मैं 10 मिनट तक कुछ बोल नहीं पाया। आखिरकार मैंने बात करना शुरू किया और हमने काफी बात की। मैंने उन्हें अपनी योजना बतायी और कहा कि जब मैं गेंदबाजी करता हूं तो कैसा महसूस करता हूं। मैंने उन्हें बताया कि किस तरह से मैं विकेट के दोनों ओर से गेंदबाजी करने का प्रयास करता हूं। कुलदीप ने कहा, उसके बाद से मैं उनसे कई बार मिल चुका हूं। वह हमेशा मुझे एक कोच की तरह गाइड करते हैं। वह मेरे एक दोस्त की तरह बन गये हैं। आस्ट्रेलिया दौरे के समय मैंने उनके साथ काफी समय बिताया है।

मिलान का मिडफील्डर डियाज के साथ करार

मिलान। इटली फुटबॉल लीग सेरी-ए के क्लब एसी मिलान ने रियल मेड्रिड के मिडफील्डर ब्राहिम डियाज के साथ करार किया है। इसके तहत डियाज अब 30 जून 2021 तक मिलान में रहेंगे। मिलान ने एक बयान में कहा, क्लब ने डियाज के साथ रियल मेड्रिड से लोन पर आधारित करार किया है।卐मिलान में डियाज को 21 नंबर की जर्सी मिलेगी। डियाज ने साल 2016 में मैनचेस्टर सिटी के साथ पदार्पण किया था। उन्होंने सिटी की ओर से 15 मैचों में दो गोल किए थे। इसके बाद वह 2019 में रियल मेड्रिड से जुड़ गए थे। उन्होंने मेड्रिड के लिए भी 21 मैचों में दो गोल किये। डियाज के मिलान के साथ करार के साथ ही इस फुटबॉलर के अन्य किसी क्लब में जाने की अटकलों पर विराम लग गया है। क्लब ने अपने एक बयान में कहा, डियाज के साथ 30 जून, 2021 तक के लिए करार से क्लब उत्साहित है। वहीं डियाज ने भी मिलान के साथ रहने पर खुशी जतायी है।

विराट के हॉट डॉग्स और विलियर्स के कूल कैट के बीच फुटबॉल मुकाबला

दुबई। फुटबॉल बीते कुछ अर्से में वॉर्म-अप का अहम हिस्सा बन चुकी है। फिर चाहे वह टीम इंडिया की प्रैक्टिस हो या फिर फ्रैंचाइजी की टीम का। खिलाड़ी वॉर्म-अप के दौरान आपको फुटबॉल खेलते हुए नजर आ जाते हैं। मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्ट्रेंथ ऐंड कंडीशनिंग कोच शंकर बसु ने बताया कि फुटबॉल बीते करीब छह सात साल से फ्रैंचाइजी के ट्रेनिंग का अहम हिस्सा है। बसु ने बताया कि पहले दिन जब पूरी टीम इकट्ठा होती है तो हम एक फुटबॉल मैच खेलते हैं। और इस बार पहले दिन के ट्रेनिंग सेशन में विराट कोहली के हॉट डॉग्स और एबी डि विलियर्स के कूल कैट्स के बीच मुकाबला हुआ। इस गेम में थोड़ा सा बदलाव किया गया था।

डीजल और पेट्रोल की कीमतें नहीं बदली

नई दिल्ली। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों एचपीसीएल, बीपीसीएल और इं?डियन आइल ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। बीते कई दिनों से पेट्रोल के दाम स्थिर हैं। डीजल के दाम इस महीने घट रहे हैं। कल की बात करें तो डीजल 10.12 पैसे सस्ता हुआ था। डीजल के दाम स्थिर हैं। जुलाई महीने में डीजल 1.60 रुपए प्रति लीटर मंहगा हुआ था। अगस्त में डीजल के दाम स्थिर थे, लेकिन पेट्रोल की कीमत में बढौतरी जारी थी। मुंबई में पेट्रोल 88.73 रुपए, डीजल 79.69 रुपए प्रति लीटर, दिल्ली पेट्रोल 82.08 रुपए, डीजल 73.16 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 83.57 रुपए, डीजल 76.66 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 85.04 रुपए, डीजल 78.48 रुपए प्रति लीटर ?बिक रहा है।

रुपया 29 पैसे टूटकर खुला

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 29 पैसे टूटकर 73.64 प्रति डॉलर पर आ गया। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने तथा विदेशी कोषों की निकासी से रुपए की धारणा प्रभावित हुई। शुरुआती कारोबार में रुपया 73.63 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह 29 पैसे के नुकसान से 73.64 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को रुपया 73.35 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

कमजोरी के साथ खुले बाजार

मुंबई। वै ?श्विक बाजारों से ?मिले खराब संकेतों की वजह से मंगलवार के कारोबारी ?दिन सेंसेक्स और निफ्टी की चाल सपाट दिख रही है। सेंसेक्स में करीब 30 अंकों की गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं निफ्टी 10 अंकों की गिरावट के साथ लाल निशान में दिख रहा है। हालांकि छोटे मझोले शेयरों में कुछ खरीदारी देखने को मिल रही है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.19 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। वहीं स्मॉलकैप शेयरों में भी हल्की खरीदारी नजर आ रही है। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। तेल-गैस शेयरों में भी आज कुछ खरीदारी नजर आ रही है। बीएसई का ऑयल एंड गैस इंडेक्स 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स लाल निशान में आ गया है और ये करीब 30 अंक गिरकर 38,400 के आसपास कारोबार कर रहा है। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी करीब 1.5 अंक की कमजोरी के साथ 11,350 के आसपास कारोबार कर रहा है।

ग्वालियर

पुष्पांजली टुडे 08

बुधवार 9 सितम्बर 2020

प्रभु के आशीर्वाद बगैर मानव सेवा अधूरी-शिल्पा डोगरा

ग्वालियर। गौरवशाली सामाजिक संस्था की अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा ने जानकारी दी कि प्रतिदिन की भांति मंगलवार को भी अचलेश्वर मंदिर स्थित बाबा जी को भोजन पहुंचा कर मंदिर के आसपास अत्यंत ही जरूरतमंदों को फल वितरित कर मास्क वितरित किया गया।संस्था का उद्देश्य संकल्प कोई भूखा ना सोए निरंतर किसी न किसी रूप में जारी है। संस्था की अध्यक्ष शिल्पा डोगरा के साथ संस्था के सचिव वासुदेव मिश्रा मंदिर के आसपास रहने वालों को चेहरे पर मास्क लगाने हेतु अवगत कराया। संस्था सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में रिटायर शिक्षकों, कोरोना वारियर्स एवं पत्रकार बंधुओं, समाजसेवियों का सम्मान समारोह सोशल दूरी का पालन करते हुए चेहरे पर मास्क लगाकर कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। डोगरा ने आगे जानकारी दी कि प्रभु के आशीर्वाद एवं कृपा दृष्टि से ही संस्था परिवार मानव सेवा निरंतर कर पा रही है।जिसमें संस्था के वरिष्ठ जनों एवं सभी पदाधिकारियों का भरपूर सहयोग समर्थन निरंतर प्राप्त हो रहा है।

डबरा, ग्वालियर में मुख्यमंत्री करोड़ों रूपए लागत के, विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्यमंत्री चौहान की प्रस्तावित ग्वालियर यात्रा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

ग्वालियर । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की 11 व 12 सितम्बर को ग्वालियर जिले की यात्रा प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री श्री चौहान इस दौरान विधानसभा क्षेत्र डबरा, ग्वालियर एवं ग्वालियर पूर्व के अंतर्गत अलग-अलग आयोजित विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह सह हितग्राही सम्मेलनों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा इन कार्यक्रमों में करोड़ों रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण प्रस्तावित है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने इन कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिये मंगलवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करते हुए और बरसात को ध्यान में रखकर सभी कार्यक्रम स्थलों पर पुख्ता व्यवस्थायें की जाएं। उन्होंने कहा कि

कार्यक्रमों में भाग लेने वाले हितग्राहियों के लिये पेयजल व शौचालय इत्यादि बुनियादी सुविधाओ की व्यवस्था की जाए। सभी कार्यक्रम स्थल पर सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखकर बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही सभी हितग्राही और ड्यूटी पर तैनात अधिकारी-कर्मचारी फेस मास्क जरूर लगाएँ। उन्होंने कहा कि पार्किंग व्यवस्था भी बेहतर हो जिससे लोग अपने वाहन पार्क करने के बाद सोशल डिस्टेंस बनाए रखकर कार्यक्रम स्थल पर पहुँच सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा को तीनों कार्यक्रमों की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के लिये प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा विधानसभा क्षेत्र डबरा में प्रस्तावित भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह सह हितग्राही सम्मेलन की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं की जवाबदेही अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह को सौंपी गई है। इसी तरह ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अपर कलेक्टर श्री अशीष तिवारी एवं विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व के कार्यक्रम की जिम्मेदारी अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य को दी गई है। ये सभी अपर कलेक्टर संबंधित एसडीएम के सहयोग से व्यवस्थाओं को मुकम्मल करेंगे। साथ ही लोक निर्माण, विद्युत वितरण कंपनी, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास, डीपीसी, डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड एवं कोविड-19 के इंसीडेंट कमाण्डर को भी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान का 11 सितम्बर को डबरा व ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र एवं 12 सितम्बर को विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व में कार्यक्रम प्रस्तावित है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, वन मण्डलाधिकारी श्री अभिनव पल्लव, अपर कलेक्टर श्री अशीष तिवारी, श्री टी एन सिंह व श्री रिंकेश वैश्य तथा स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह सहित सभी एसडीएम एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

उड़ान वेलफेयर ट्रस्ट* द्वारा विश्व साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में

पढ़ेगा इंडिया तभी तो आगे बढ़ेगा इंडिया अभियान का शुभारंभ

ग्वालियर। आज *उड़ान वेलफेयर ट्रस्ट* द्वारा विश्व साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में ÷ *पढ़ेगा इंडिया तभी तो आगे बढ़ेगा इंडिया ÷* अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्देश्य वैसे बच्चों जिनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं होने की वजह से शिक्षा लेने में बाधा आती है या फिर शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते इस अभियान के माध्यम से संस्था उन बच्चों के शिक्षा से संबंधित जरूरतों को पूरा करने में सहायता करेंगे। इसमें कोई भी व्यक्ति किसी बच्चे को शिक्षा देने हेतु गोद ले सकता है या फिर अपने एक्स्ट्रा चीजें जैसे मोबाइल लैपटॉप बच्चों को डायरेक्ट दे सकते हैं। या फिर कोई आर्थिक रूप से सक्षम है और किसी बच्चे की पढ़ाई से संबंधित किसी भी प्रकार से सहायता करना चाहता है तो कर सकता है। आज संस्था द्वारा 7 बच्चों को गोद लिया गया। संस्था के कार्यक्रम में *मुख्य अतिथि* के रूप में *सतेंद्र सिंह तोमर* *विशिष्ट अतिथि* *राजेश ऐरन कीरत सिंह तोमर, वीरेंद्र सिंह तोमर , औरबृजराज सिंह तोमर* रहे।कार्यक्रम का संचालन संस्था अध्यक्ष *सीता पाणीग्राही* ने किया आभार बबीता गुप्ता ने प्रकट किया। कार्यक्रम में नेहा शर्मा निकिता शर्मा पूरन चौबे वंदना हैरी गुप्ता रानी गुप्ता नूतन शर्मा दीपक कुशवाह प्रियंका खुराना आदि मौजूद रहे।

आईटीआई में जेण्डर गैप को कम करना जरूरी - यशोधरा राजे सिंधिया

ग्वालियर । तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा है कि आईटीआई में ज्यादा से ज्यादा छात्राएँ प्रवेश लें ऐसा लक्ष्य तय करें। जेण्डर गैप को कम करने के प्रयास करें। श्रीमती सिंधिया मंगलवार को सेंटर फॉर रिसर्च एण्ड इण्डस्ट्रियल स्टॉफ परफार्मेंस (क्रिस्प) के अधिकारियों के साथ आईटीआई की ग्रेडिंग के संबंध में चर्चा कर रही थीं। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि प्रदेश के आईटीआई के बच्चों को डिजिटली अपग्रेड करने में क्रिस्प की मदद ली जायेगी। हमें अपने पाठ्यक्रम को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तैयार करते हुए यह देखना होगा कि छात्रों को रोजगार के लिये हम क्या संभावनाएँ और उम्मीद दे रहे हैं।

बेटी रक्षा मंच संस्था में मुख्य अतिथि के रुप में पधारे पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल एवं पुर्व महापोर समीक्षा गुप्ता

स्वास द वाइस ऑफ स्ट्रीट डॉग फॉउंडेसन संस्था को किया सम्मानित

ग्वालियर। शानिवार को कोविड-19 में किए गए सराहनीय कार्य हेतु सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल पुर्व महापोर समीक्षा गुप्ता जी द्वारा स्वास द बाइस ऑफ स्ट्रीट डॉग फाउनडेशन की

अध्यक्ष नम्रता सक्सेना सचिब चित्रा अनुरागी के अलावा अध्यापक एव समाजसेवियों एवं कई कोरोना वीर योद्धाओं को सम्मानित किया गया।

नम्रता सक्सेना डॉक्टर चित्रा अनुरागी हुये सम्मानित

मुख्य अतिथि मुन्ना लाल गोयल ने एव पुर्व महापोर श्री मति समीक्षा गुप्ता जी समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं।

क्राईम ब्रांच ने तीन हजार रूपये के ईनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देश पर ग्वालियर जिले में ईनामी फरारी बदमाशों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध श्री सतेन्द्र सिंह तोमर द्वारा ग्वालियर क्राईम ब्रांच को मुखबिर तंत्र विकसित कर प्रभावी कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया था। आज दिनांक 08.09.2020 को डीएसपी क्राईम श्री रत्ने?श सिंह तोमर के मार्गदर्शन में की जारही कार्यवाही के दौरान क्राईम ब्रांच के सउनि राजकुमार राजावत को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्ती हुई कि थाना मोहना के आपराधिक प्रकरण मे

फरार ईनामी बदमाश अरविंद पुत्र श्री गोपी राठौर को पुरानी छावनी, ग्वालियर के आस-पास देखा गया है। उक्त सूचना पर से तत्काल कार्यवाही करते हुए सउनि ने प्रभारी क्राइम ब्रांच उनि विनोद शर्मा को अवगत कराते हुए य क्राइम टीम के मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच द्वारा पकड़े गये व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम अरविंद पुत्र श्री गोपी राठौर निवासी पुराने सेल्स टैक्स बैरियर के पास, जिला मुरैना होना बताया। उक्त बदमाश की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा 03 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। उक्त बदमाष के थाना मोहना में आपराधिक प्रकरण में वांछित होने के कारण उसे थाना मोहना पुलिस को सुपुर्द किया गया। सराहनीय भूमिका - उक्त फरारी ईनामी बदमाष को गिरफ्तार करने मे प्रभारी क्राईम ब्रांच उनि विनोद शर्मा, सउनि राजकुमार राजावत, प्रआर0 राजीव सोलंकी, आर0 सतीश परिहार, अंगद यादव, प्रमोद शर्मा, रणवीर यादव, रूपेश शर्मा, प्रदीप यादव एवं नवीन पराषर की सराहनीय भूमिका रही।

आने वाले दिनों में ग्वालियर की तस्वीर बदली-बदली नजर आयेगी : सांसद शेजवलकर

ग्वालियर। नागरिकों को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिये सरकार कटिबद्ध है। क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सड़कों के भूमिपूजन समारोह में यह बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने की। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, मण्डल अध्यक्ष श्री प्रयाग तोमर सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। लोक निर्माण विभाग द्वारा 3 करोड़ 7 लाख 95 हजार रूपए की लागत से मोतीझील एबी रोड़ से कमलाराजा युवराज मार्ग वाया कृष्णा नगर मार्ग का निर्माण करने के साथ ही 4 करोड़ 7 लाख 33 हजार रूपए की लागत से कमलाराजा युवराज मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। इन दोनों ही सड़कों के बन जाने से आम जनों को आवागमन की बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में 7 सड़कों के लिये 42 करोड़ 87 लाख 49 हजार रूपए की

क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जायेगी : ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन सड़कों के बन जाने से लोगों को बेहतर सुविधाऐं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि आम जनों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये निरंतर कार्य कराए जा रहे हैं। नगर निगम के माध्यम से भी विभिन्न गलियों में सीमेंट कंक्रीट सड़कों के निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि नागरिकों ने जो भरोसा मुझ पर दिखाया है उस पर मैं खरा उतरुँगा। जनता की सेवा के कार्य में कोई कमी नहीं आने दूँगा। विकास के कार्य तेजी से हों और लोगों को बेहतर सुविधाएँ मिलें, इसके लिये सदैव कार्य करता रहूँगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के कार्यों को तेजी के साथ कर रही है। आम जनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये बड़ी संख्या में विकास कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई है। सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। इसके साथ ही शहर में अमृत परियोजना के तहत सीवर और पानी की समस्या के निदान के लिए तेजी के साथ कार्य किए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में ग्वालियर की तस्वीर बदली-बदली नजर आयेगी। सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर क्षेत्र के विकास के लिये निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयासों से विकास के अनेक कार्य पूर्ण हुए हैं और लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलने लगी हैं। आने वाले दिनों में उनके द्वारा स्वीकृत किए गए कार्य पूर्ण होने पर लोगों को और बेहतर सुविधाएं भी मिलेंगीं। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि मिलकर क्षेत्र के विकास के लिये कार्य कर रहे हैं।

वार्ड 31 एवं 32 में 30 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमि पूजन

ग्वालियर। ग्वालियर शहर में तेजी से विकास के कार्य हो रहे हैं तथा विकास कार्य निरंतर चलते रहेंगे, जिससे आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। सरकार लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस आशय के विचार प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने आज वार्ड 31 एवं 32 में लगभग 30 लाख रुपए के विकास कार्यों के भूमि पूजन अवसर पर व्यक्त किए। वार्ड 31 स्थित राजेंद्र प्रसाद कॉलोनी में बने पार्क में वाकिंग ट्रेक बाउंड्री वॉल की जालियां एवं लाइटिंग इत्यादि सहित विभिन्न विकास कार्य कराने के लिए 21 लाख रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमि पूजन आज क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के साथ प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने किया।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.

(Min. size 5×9)

कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज

12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क: बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।

हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।

पुष्पांजली टुडे

E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207

नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, पिण्ड रोड़, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, पिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478